RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:65 ता. 04 सितम्बर 2022, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

बिहार के 10 जिलों में मौसम विभाग का ऑरेंज अलर्ट, वज्रपात के साथ तेज बारिश के आसार

पटना। मौसम विभाग ने बिहार के 10 जिलों में शनिवार को वज्रपात और बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। पटना मौसम केंद्र के मुताबिक शनिवार को छपरा, आरा, हाजीपुर, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर और दरभंगा समेत अन्य जगहों पर मेघगर्जन के साथ तेज बारिश होने के आसार हैं। कुछ इलाकों में ठनका गिरने की भी आशंका है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी कर लोगों को सावधान रहने के लिए कहा है। लोगों से खराब मौसम में खुले में न निकलने की अपील की गई है। पटना मौसम केंद्र के ताजा अनुमान के मुताबिक शनिवार दोपहर तक सीवान, सारण, समस्तीपुर, वैशाली, भोजपुर, बक्सर, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, अरवल और दरभंगा जिले के कुछ हिस्सों में मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। इन जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। आसपास के जिलों में भी हल्की बारिश हो सकती है।

बिहार में 11 और लोगों की वज्रपात से मौत, 48 घंटे में ठनका गिरने से 25 की जान गई

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक राजधानी पटना में भी शनिवार को बादल छाए रहने की उम्मीद है। दक्षिण बिहार के कई हिस्सों में लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। रविवार को उत्तरी और दक्षिण पूर्वी बिहार में कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। मॉनसून की ट्रफ लाइन अभी पंजाब से हिमाचल के तराई इलाकों में होकर बंगाल की खाड़ी की ओर है। इसके दक्षिण की ओर खिसकने की संभावना है। इससे सीमांचल क्षेत्र में बारिश संबंधी गतिविधियां बढ़ने के आसार हैं।

राहुल गांधी लड़ सकते हैं कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव, मनाने के लिए ताकत झोकेंगे वरिष्ठ नेता

नई दिल्ली। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करवाने के लिए तैयार है। हालांकि, इससे ठीक पहले उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। गुलाम नबी आजाद सरीखे वरिष्ठ नेता ने चुनाव से ठीक पहले पार्टी से इस्तीफा दे दिया। वहीं, शशि थरूर, मनीष तिवारी और कार्ति चिदंबरम ने मतदाता सूची जारी करने की मांग कर अपने तेवर दिखा दिए हैं। इतना ही नहीं, कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व किसके हाथ में जाएगा, इसको लेकर भी पार्टी अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। अब पार्टी के कई लोगों का मानना है कि राहुल गांधी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए तैयार हो सकते हैं।

राहुल गांधी के शुक्रवार शाम को विदेश यात्रा से लौटने की संभावना है। ऐसा कहा जा रहा है कि कांग्रेस नेताओं के द्वारा उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव लड़ने और संगठन की बागडोर स्वीकार करने के लिए मनाने की एक नई कोशिश की जा सकती है। राहुल गांधी ने मई 2019 में लोकसभा चुनावों में कांग्रेस की हार की जिम्मेदारी लेते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद छोड़ दिया था। यह भी कहा जाता है कि उन्होंने ही पार्टी से कहा कि गांधी परिवार से कोई भी नेतृत्व नहीं संभालेगा।

राहुल गांधी के करीबी सूत्र ने इसे दावे को पूरी तरह से खारिज करने से इनकार किया है कि राहुल गांधी इस साल होने वाला राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव नहीं लडेंगे। टाइम्स ऑफ इंडिया को एक रिपोर्ट के मुताबिक, राहुल के करीबी सूत्र ने कहा, ÷उन्हें मनाने के प्रयास किए जा रहे हैं, क्योंकि पार्टी के लिए यही एकमात्र अच्छा समाधान है। उनकी सहमति से इनकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि, बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि रविवार को महंगाई के खिलाफ दिल्ली में होने वाली रैली और फिर भारत जोड़ो यात्रा कितनी सफल हो पाती है।

पाकिस्तानी पत्रकार के सवाल पर अपनी हंसी नहीं रोक पाए सूर्यकुमार यादव, बोले- आप चाहते हो कि केएल राहुल को बाहर कर दें

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि राहुल गांधी कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 150 दिनों की यात्रा पर जाएंगे। उन्होंने कहा, अगर वह पार्टी चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करते हैं तो वह इसके लिए एक दिन का ब्रेक लेंगे। इसके अलावा राहुल गांधी रामलीला मैदान में रविवार को होने वाली रैली को भी संबोधित करेंगे।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत फिलहाल कांग्रेस में गांधी परिवार से बाहर के विकल्प के तौर पर सबसे अगे चल रहे हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे और सलमान खुर्शीद जैसे वरिष्ठ नेताओं ने कहा है कि राहुल गांधी को मनाने की कोशिश आखिरी तक जारी रहेगी। दिलचस्प बात यह है कि एआईसीसी सचिव वामशी चंद रेड्डी ने ट्वीट कर कहा कि वह तेलंगाना से पीसीसी के सदस्य हैं और प्रस्तावक के रूप में राहुल गांधी के नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद कर रहे हैं।

शशि थरूर, मनीष तिवारी और कार्ति चिदंबरम ने मतदाता सूची जारी करने की मांग कर अपने तेवर दिखा दिए हैं। इतना ही नहीं, कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व किसके हाथ में जाएगा, इसको लेकर भी पार्टी अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। अब पार्टी के कई लोगों का मानना है कि राहुल गांधी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए तैयार हो सकते हैं।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री की जमानत रद्द करने की मांग वाली याचिका पर छह सितंबर को सुनवाई

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने लखीमपुर में हुए प्रभात हत्याकांड में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा उर्फ टेनी की जमानत रद्द करने की मांग वाली याचिका पर छह सितंबर को सुनवाई करने का निर्देश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा व न्यायमूर्ति रेनू अग्रवाल की खंडपीठ ने दिया है। उक्त जमानत निरस्ती प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि अजय मिश्रा उर्फ टेनी की दोषमुक्ति के खिलाफ दाखिल राज्य सरकार की अपील की सुनवाई में उनकी ओर से सहयोग नहीं किया जा रहा है, लिहाजा उनके बॉन्ड को निरस्त किया जाए। मामला सुनवाई के लिए आने पर न्यायालय ने पाया कि

सरकार की अपील पर सुनवाई के लिए पहले ही छह सितम्बर की तिथि नियत है लिहाजा न्यायालय ने उक्त प्रार्थना पत्र को भी छह सितम्बर को अपील के साथ ही पेश करने का आदेश दिया है। उल्लेखनीय है कि लखीमपुर खीरी के तिकुनिया थाना क्षेत्र में वर्ष 2000 में एक युवक प्रभात गुप्ता की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में अन्य अभियुक्तों के साथ-साथ अजय मिश्रा उर्फ टेनी भी नामजद थे। मामले के विचारण के पश्चात लखीमपुर खीरी की एक सत्र अदालत ने अजय मिश्रा व अन्य को पर्याप्त साक्ष्यों के अभाव में वर्ष 2004 में बरी कर दिया था। आदेश के खिलाफ वर्ष 2004 में ही राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय में अपील दाखिल कर दी थी।

संविधान की प्रस्तावना से दो शब्दों को हटाने की मांग पर 23 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली। संविधान की प्रस्तावना से समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट में 23 सितंबर को सुनवाई होने की संभावना है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इस संबंध में सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका को 2020 से इसी मुद्दे पर लंबित बलराम सिंह की याचिका के साथ संलग्न करने का आदेश दिया।

याचिका को लेकर 23 सितंबर को होगी सुनवाई

बलराम की याचिका पर सुनवाई की तारीख कंप्यूटर पर 23 सितंबर दिखाई दे रही है। इस हिसाब से मामले पर 23 सितंबर को सुनवाई होने की उम्मीद है। जस्टिस इंदिरा बनर्जी और जस्टिस एमएम सुंदरेश की पीठ के

समक्ष अपनी याचिका पर बहस के लिए स्वामी शुक्रवार को स्वयं पेश हुए। उन्होंने पीठ से कहा कि इसी मुद्दे पर एक और याचिका कोर्ट में लंबित है जिस पर 23 सितंबर को सुनवाई होनी है। उनकी याचिका उसी के साथ संलग्न कर दी जाए। पीठ ने उनकी मांग मांग ली।

42वें संविधान संशोधन में जोड़े गए थे नए शब्द

बलराम की याचिका प्रधान न्यायाधीश की पीठ के समक्ष सुनवाई पर लगी है। याचिका में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के समय 1976 में 42वें संविधान संशोधन के जरिये संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष शब्द जोड़े जाने की वैधानिकता को चुनौती दी गई है। कहा गया है कि प्रस्तावना में इन शब्दों को जोड़ना संसद को अनुच्छेद 368 के तहत मिली संविधान संशोधन की शक्ति से परे है।

नहीं किया जा सकता मूल ढांचे में बदलाव-केशवानंद भारती मामले में सुप्रीम कोर्ट ने संविधान की प्रस्तावना को संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा घोषित किया है, मूल ढांचे में बदलाव नहीं किया जा सकता इसलिए संसद इसमें संशोधन नहीं सकती। याचिका में जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 29ए(5) को भी चुनौती दी गई है जिसमें राजनीतिक दल को पंजीकरण के समय समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों में निष्ठा रखने की घोषणा करनी होती है

मिडिल क्लास के लिए खुशखबरी, मोदी सरकार उन्हें भी देगी 5 लाख तक के मुफ्त इलाज की सुविधा

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के विस्तार पर विचार कर रही है। नए लाभार्थियों के लिए इसे मामूली प्रीमियम पर पेश करने की योजना बना रही है। आपको बता दें कि पीएम मोदी ने 2018 में इस योजना को लॉन्च किया था। इसके तहत 10.74 करोड़ परिवारों को 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा, इसके जरिए हम उन सभी लोगों को लाभ पहुंचाने में सक्षम होंगे जिन्हें इसकी आवश्यकता है। इसे मामूली प्रिमियम पर लोगों तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा, देश के मध्यम आय वाले वर्ग, जो कि न तो अमीर है और न ही गरीब है, पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्हें स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत कवर करने पर विचार किया जा रहा है। आपको बता दें कि यह योजना वर्तमान में गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को कवर करती है। अधिकारियों ने कहा कि स्वास्थ्य बीमा का प्रीमियम वर्तमान में लगभग 1200 से 1300 रुपये के हैं। केंद्र और राज्य सरकारें 60:40 के

अनुपात में इसका खर्चा उठाती है।

उन्होंने कहा, देश में ऐसे लोग हैं जो प्रति वर्ष 1,00,000 कमाते हैं। ऐसे भी लोग हैं जो 10,00,000 रुपये सालाना कमाते हैं। यदि आप बारीकी से देखें, तो बाद वाला अधिक कमा सकता है, लेकिन वह सभी मेडिकल खर्चों को वहन करने में सक्षम नहीं हो सकता है।

मध्य प्रदेश में नए कानून की तैयारी, बलात्कार दोषियों को अब रहना पड़ सकता है आखिरी सांस तक जेल में

भोपाल। आजीवन कारावास की अवधि के निर्धारण के लिए मध्य प्रदेश सरकार की प्रस्तावित नीति में नाबालिग के साथ बलात्कार एवं समूहिक बलात्कार, आतंक और नशीले पदार्थों के अवैध व्यवसाय में आजीवन कारावास की सजा काट रहे बंदियों को अब आखिरी सांस तक जेल में रहना होगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में गुरुवार को मंत्रालय में विभिन्न अधिनियमों में आजीवन कारावास से दंडित बंदियों की रिहाई की अवधि की प्रस्तावित नीति 2022 पर चर्चा हुई। गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश में वर्ष 2012 की नीति लागू है। वर्तमान में प्रदेश के 131 जेलों में 12,000 से अधिक बंदी आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजीवन कारावास की सजा प्राप्त बंदियों के संबंध में जो नई नीति तैयार की गई है, उसमें जघन्य अपराधियों को कोई राहत नहीं मिलेगी। आतंकी गतिविधियों और नाबालिगों से बलात्कार के अपराधियों का कारावास 14 वर्ष में समाप्त नहीं होगा। मध्यप्रदेश में ऐसे अपराधियों को अंतिम सांस

तक कारावास में ही रहने का प्रावधान किया गया है।

इन दोषियों को अंतिम सांस तक रहना होगा जेल में

अधिकारी ने बताया, ऐसे अपराधियों में विभिन्न अधिनियम में आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त पाए गए दोषी, नाबालिग से बलात्कार के दोषी, सामूहिक बलात्कार के दोषियों, जहरीली शराब बनाने, विदेशी मुद्रा से जुड़े अपराधों, दो या दो से अधिक प्रकरण में हत्या के दोषी को अब अंतिम सांस तक जेल में रहना होगा। उन्होंने कहा कि इसमें शासकीय सेवकों की सेवा के दौरान हत्या का अपराध करने वाले दोषी भी शामिल होंगे। इसी तरह राज्य के विरुद्ध अपराध और सेना के किसी भी अंग से संबंधित अपराध करने वाले अपराधी भी किसी रियायत का लाभ नहीं ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि इन अपराधों में आजीवन कारावास से दंडित बंदियों को अब जेल में ही अंतिम सांस तक रहना होगा।

जीडीपी तीन साल में महज तीन फीसदी बढी, सरकार का प्रचार गलत-कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने मोदी सरकार पर अर्थव्यवस्था के प्रबंध में विफल रहने का आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकार जो भी प्रचार कर ले, सच्चाई है कि पिछले तीन साल के दौरान देश की अर्थव्यवस्था की वृद्धि तीन फीसदी से भी कम रही है।

कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि तीन साल के दौरान देश की अर्थव्यवस्था में कोई वृद्धि मान भी लें तो भी इस दौरान जीडीपी में कुल मिलाकर सिर्फ 3 प्रतिशत की बढोतरी हुई है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही की जीडीपी के जो आंकड़े जारी किये हैं उनसे साफ होता है कि सरकार अर्थव्यवस्था के आंकड़ों के फेरबदल में लगी है।

उन्होंने कहा कि सच्चाई यही है कि देश की अर्थव्यवस्था तीन साल में तीन प्रतिशत से कम बढ़ी है, इसके बावजूद उनका प्रचार विभाग देश के आर्थिक परिदृश्य को लेकर अद्भुत आंकड़े प्रस्तुत कर रहा है। जीडीपी में बढ़ोतरी को लेकर चल रहे प्रचार प्रसार के बीच सच यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था पिछले तीन साल से औसतन वार्षिक 1.26 प्रतिशत की रफ़्तार से बढ़ रही है और यह रफ्तार किसी देश के लिए 'विश्वगुरु' बनने के लिए नाकाफी है।

प्रवक्ता ने कहा कि इस असलियत को देखते हुए भारतीय स्टेट बैंक की एक ताजा रिपोर्ट में मौजूदा वित्त वर्ष

की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को पहले की तुलना में घटा दिया गया है। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही के जीडीपी के आंकड़े की तुलना 2019-20 की इसी अवधि के आंकड़ों से की जाय तो जीडीपी तीन प्रतिशत ऊंचा हुआ है। इससे साफ है कि भारत का जीडीपी 3 साल में केवल 3 प्रतिशत बढा है।

उन्होंने कहा कि रुपये की हालत भी पतली है और एक डालर आज 80 रुएए का हो गया है। बेरोजगारी की दर अगस्त में 8.28 प्रतिशत पर बनी हुई थी।

कांग्रेस नेता ने कहा अब सवाल यह है कि क्या देश की अर्थव्यवस्था की औकता सिर्फ 3 प्रतिशत की वृद्धित की रह गई है। अगर नहीं तो फिर मोदी सरकार इस पहलू पर आंखें मूंदकर क्यों बैठी है।÷ उन्होंने कहा कि इस सरकार से उनका यह भी सवाल है कि बढ़ती बेरोजगारी पर उसकी क्या रणनीति है और देश सरकार की घोषणा के अनुसार 50 खरब डालर की अर्थव्यवस्था कब बनेगा।

उन्होंने कहा कि देश में किसी भी क्षेत्र में वृद्धि अच्छी नहीं है। विनिर्माण क्षेत्र की सालाना वृद्धि दर महज दो प्रतिशत है और यह दर मोदी सरकार के विकास मॉडल का ही नतीजा है। सरकार की इसी नीति का परिणाम है कि बेरोजगारी की दर देश में आज 8.28 प्रतिशत पर है।

प्रवक्ता ने कहा कि अगर हम चालू मूल्यों पर आधारित जीडीपी वृद्धि दर को देखें तो 2022-23 की पहली तिमाही में इस जीडीपी का साइज 36.8 लाख करोड़ रही जो वित्त वर्ष 2019-20 में 35.85 लाख करोड़ थी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के पास कोई ठोस आर्थिक नीति नहीं है और यह आर्थिक वृद्धि में गिरावट उसकी नीतियों में गड़बड़ी का परिणाम है। मोदी सरकार के आर्थिक मॉडल के हिसाब से भी देखें तो रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में वृद्धि दर 16 प्रतिशत हरने का अनुमान लगाया था लेकिन सरकारी आंकड़े में यह घटकर 13.50 प्रतिशत रह गई।

उन्होंने कहा कि महंगाई देश में चरम पर है और खुदरा महंगाई दर रिजर्व बैंक के इसे 6 प्रतिशत से नीचे रखने के लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है और उसे घटाने में सरकार विफल है। सरकार की नीतियों का कोई ठोस आर्थिक आधार नहीं है इसलिए अर्थव्यवस्था की स्थिति बिगड़ रही है।

सार समाचार

तमिलनाडु के वित्त मंत्री का दावा- गुजरात मॉडल की बजाए द्रविड़ मॉडल सरकार भारत के लिए एक रोल मॉडल

नई दिल्ली। वित्त मंत्री पलानीवेल त्यागराजन ने कहा है कि गुजरात मॉडल सरकार के बजाय द्रविड़ मॉडल सरकार भारत के लिए एक रोल मॉडल है और 18 महीनों में मदुरै का चेहरा बदल जाएगा। वित्त मंत्री बीडीआर पलानीवेल त्यागराजन ने निवेशकों और उद्यमियों के लिए मदुरै तमिल संघ एरिना में आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम के बाद बोलते हुए मंत्री पलानीवेल त्यागराजन ने कहा कि मुख्यमंत्री ने धन आवंटित करके और परियोजनाओं को लागू करके तमिलनाडु के सभी हिस्सों को विकसित करने का निर्देश दिया है। अचल संपत्ति आदि में निवेश करने से देश का विकास नहीं होगा और औद्योगिक विकास केवल उद्यमी ही कर सकते हैं जो सरकार नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि नान मुलुवन जैसी परियोजनाओं के माध्यम से छात्रों को उनके स्कूल के दिनों से ही विकसित किया जा सकता है और मुख्यमंत्री द्वारा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग को धन और कर्मचारियों को आवंटित करने के आदेश के बाद, धन आवंटित किया गया है और इसे 60 अधिकारियों के साथ चलाना संभव बनाया गया है। इसके बाद उन्होंने गुजरात और तमिलनाडु की तुलना करते हुए कहा कि गुजरात मॉडल सरकार के तहत उस राज्य का राजस्व तमिलनाडु के राजस्व से कुछ हजार अधिक हो सकता है। लेकिन तमिलनाडु में प्रति 1000 लोगों पर 4 डॉक्टर हैं, जबकि गुजरात में प्रति 1000 लोगों पर केवल 1 डॉक्टर है। उन्होंने उल्लेख किया कि 80त्न महिलाएं यहां उच्च शिक्षा पढ़ती हैं और गुजरात में केवल 60त्न से कम उच्च शिक्षा का अध्ययन करती हैं। इसलिए उन्होंने कहा कि शासन के द्रविड़ मॉडल के माध्यम से तमिलनाडु सभी राज्यों के लिए एक रोल मॉडल है।

अधिकांश भारतीयों ने माना, 'यूज एंड थ्रो' प्रवृत्ति के कारण बढ़ रहे लिव-इन रिलेशन के मामले

नई दिल्ली । केरल हाईकोर्ट ने तलाक के एक मामले पर सुनवाई करते हुए कहा था कि नई पीढ़ी शादी को बुराई मानती है, आजादी के लिए वो इससे दूर भागती है। यही वजह है कि आज लिव इन रिलेशनशिप के मामले बढ़ रहे हैं। यूज एंड थ्रो के कल्चर ने हमारी सामाजिक संरचना को बर्बाद कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि यह समाज के लिए चिंता का विषय है। यह जानने के लिए एक राष्ट्रव्यापी सर्वे किया गया कि लोग अदालत द्वारा की गई टिप्पणी के बारे में क्या सोचते हैं। सर्वे में 48 प्रतिशत लोगों ने कोर्ट के इस तथ्य से पूरी तरह सही बताया, वहीं 28 प्रतिशत लोग आंशिक रूप से कोर्ट से सहमत हुए। इनके अलावा, बाकी 24 प्रतिशत लोगों ने इस पर अपनी राय देने से इनकार कर दिया। सर्वे के आंकड़ों के अनुसार, पुरुष और महिला दोनों उत्तरदाताओं का सबसे बड़ा अनुपात अदालत के अवलोकन से पूरी तरह सहमत था। सर्वे के दौरान, 53 प्रतिशत पुरुष और 43 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने जोर देकर कहा कि अदालत ने बिल्कुल सही अवलोकन किया है। वहीं, 26 फीसदी पुरुष मतदाताओं और 31 फीसदी महिला उत्तरदाताओं का मत था कि वे अदालत के बयान से आंशिक रूप से सहमत हैं। सर्वे के दौरान, युवा और वृद्ध आयु वर्ग के 50 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाताओं ने अदालत की कही गई बातों से पूरी तरह सहमति व्यक्त की। सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार, 18-24 साल के 56 प्रतिशत उत्तरदाताओं, 25-34 वर्ष आयु वर्ग के 51 प्रतिशत उत्तरदाताओं और 55 वर्ष से अधिक आयु के 52 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अदालत का अवलोकन मौजूदा समय में समाज की वास्तविकता को दर्शाता है।

भाजपा विधायक लिंबावली ने महिला कार्यकर्ता के साथ की बदसलूकी, उनके कहने पर पुलिस ने भी किया अपमानित

बेंगलुरु । कर्नाटक के भाजपा विधायक अरविंद लिंबावली द्वारा एक महिला कार्यकर्ता को सार्वजनिक रूप से धमकी देने की घटना सामने आई है। विधायक लिंबावली द्वारा की गई टिप्पणी से लोगों में भारी आक्रोश है और वे इसकी निंदा कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के लिए भी काम करने वाली रूथ सागे मैरी ने शनिवार को बताया कि उसने व्हाइटफील्ड में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की यात्रा के दौरान भाजपा विधायक लिंबावली से जमीन पर कब्जे को लेकर बात की थी।
इस दौरान वह जब विधायक को शिकायत पत्र सौंप रही थी तो वे गुस्सा हो गए और उन्होंने उससे याचिका छीनने की भी कोशिश की। रूथ ने कहा विधायक लिंबावली ने पुलिस को बार-बार मुझे जेल से डालने के निर्देश दिए, जिसके बाद पुलिस मुझे थाने में घसीटते हुए ले गई और वहां मुझे बैठा दिया। कार्यकर्ता ने कहा कि बीबीएमपी 1971 में बनी उनकी संपत्ति को ध्वस्त करने की कोशिश कर रही है। चाहे जो भी समस्या हो, विधायक सार्वजनिक स्थान पर महिला के साथ ठीक से व्यवहार कर सकते थे। रूथ ने आरोप लगाया कि रात 10 बजे तक उसे थाने में रखा गया और कोई कॉल करने की अनुमति नहीं दी गई।
उसने यह भी आरोप लगाया कि विधायक लिंबावली ने उसका हाथ खींचने की कोशिश की और वह उसे मारने के लिए भी आगे बढ़े। लिंबावली ने कहा है कि उन्होंने केवल महिला को अतिक्रमण हटाने के लिए कहा था। वरिष्ठ नेता और कांग्रेस विधायक दिनेश गुंडू राव ने मांग की कि राज्य महिला आयोग को इस घटना पर ध्यान देना चाहिए। वहीं, राजस्व विभाग के अधिकारी पार्थसारथी ने रूथ के खिलाफ व्हाइटफील्ड पुलिस स्टेशन में उनकी ड्यूटी में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है।

धर्मशाला में बादल फटा, अधिकारियों ने पुनर्वास कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ के एक दिन बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने खनियारा इलाके का दौरा किया और प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। शुक्रवार को भारी बारिश की वजह से क्षेत्र में कई घर और दुकान नष्ट हो गए थे। इसके अलावा 15 मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए और 45 भेड़ तथा बकरियां लापता हैं। कांगड़ा के उपायुक्त निपुण जिंदल ने आज सुबह पुलिस अधीक्षक कुशल शर्मा के साथ खनियारा का दौरा किया। जिंदल ने राहत कार्य करने वालों को काम में तेजी लाने का निर्देश दिया ताकि प्रभावित लोगों को कोई समस्या न हो। जिंदल ने कहा, 'शुक्रवार को खनियारा में बादल फटने की जानकारी मिलने के बाद, पांच मिनट के भीतर राज्य आपदा मोचन बल का एक बचाव दल मौके के लिए रवाना हुआ। तहसीलदार अपूर्व शर्मा के नेतृत्व वाले दल को भी राहत कार्य के लिए भेजा गया।' उन्होंने कहा, 'बारिश के कारण हुई क्षति की समीक्षा की जा रही है और जिला प्रशासन प्रभावी कदम उठा रहा है ताकि प्रभावित परिवारों को कोई समस्या न हो।

महाराष्ट्र सरकार पर मंडराए संकट के बादल, चार-पांच विधायक छिटके तो दलबदल कानून के दायरे में आ जाएंगे सीएम शिंदे

मुंबई । महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार का तख्तापलट कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एकनाथ शिंदे की अगुआई में नई सरकार का गठन किया। नई सरकार को तीन महीने भी नहीं हुए हैं कि एकनाथ शिंदे सरकार मुश्किल में घिरती दिखाई दे रही है। कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे खेमे के कुछ विधायक पाला बदल कर उद्धव खेमे की ओर जा सकते हैं। ज्ञात हो कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के कुछ विधायकों ने बगावत कर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी सरकार को गिरा दिया था और भाजपा के सहयोग से नई सरकार बना ली थी। अब बताया जाता है कि कुछ विधायक सीएम एकनाथ शिंदे से नाराज हैं और वे वापस मूल संगठन में जा सकते हैं।
हाल ही में मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान एकनाथ शिंदे खेमे के 9 विधायकों ने मंत्रिपद कि शपथ ली थी। एकनाथ शिंदे खेमे के 31 अन्य विधायक भी मंत्री बनने की लालसा में बैठे हुए हैं। इनमें से सभी विधायक मंत्री बनना चाहता है। इस मांग को पूरा कर पाना संभव नहीं है, इसी वजह से पार्टी दूसरी बार अपने मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं कर पा रही है। माना जा रहा है कि मंत्रिमंडल विस्तार में मंत्री नहीं बनाए जाने पर कुछ विधायक एक बार फिर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले मूल संगठन में लौट सकते हैं। आपको बता दें कि असली शिवसेना बनाम नकली शिवसेना की लड़ाई भी अभी चल रही है। मामला सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग में लंबित है। ऐसे में अगर एकनाथ शिंदे खेमे से कुछ विधायक वापस मूल संगठन में लौट गए तो दलबदल कानून का खतरा पैदा हो सकता है। दरअसल, शिवसेना के कुल 54 विधायक हैं और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में करीब 40 विधायकों ने पाला बदल लिया था। ऐसे में अगर 3-4 विधायक एकनाथ शिंदे का साथ छोड़ते हैं, तो दलबदल कानून का खतरा पैदा हो जाएगा। विधायकों की नाराजगी को देखते हुए ही दूसरा मंत्रिमंडल विस्तार नहीं हो पा रहा है, क्योंकि एकनाथ शिंदे यह जानते हैं कि सभी को मंत्री नहीं बनाया जा सकता है। दूसरी तरफ एकनाथ शिंदे का सहयोग कर रही भाजपा को भी मंत्रिमंडल विस्तार से काफी उम्मीदें हैं। भाजपा के कई विधायकों को उम्मीद है उन्हें मंत्रिपद मिल सकता है इसके अलावा छोटी सहयोगी पार्टियां भी मंत्रिमंडल में हिस्सेदारी चाहती हैं।

हल्ला बोल रैली से पहले कांग्रेस ने फिर साधा मोदी सरकार पर निशाना, जनता के मुद्दों को लेकर बताया असंवेदनशील

नई दिल्ली (एजेंसी)।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस से लगातार मोदी सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में 4 सितंबर को कांग्रेस महंगाई के खिलाफ दिल्ली में एक हल्ला बोल रैली करने वाली है। बताया जा रहा है कि इस रैली को राहुल गांधी को संबोधित करेंगे। हल्ला बोल रैली के लिए कांग्रेस लगातार तैयारी भी कर रही है। कांग्रेस के कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे लगे हैं। इन सब के बीच एक बार फिर से कांग्रेस में मोदी सरकार पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। कांग्रेस का आरोप है कि मोदी सरकार महंगाई और बेरोजगारी जैसे जनता के मुद्दों को लेकर असंवेदनशील है। इसके साथ ही कांग्रेस ने यह भी दावा किया है कि वह जनता के मुद्दों को उठाती रहेगी, क्योंकि वह विपक्ष में है और उसकी अपनी भूमिका है।
कांग्रेस के हल्ला बोल रैली से पहले आज नई दिल्ली में पार्टी महासचिव जयराम रमेश, केसी वेणुगोपाल और अजय माकन ने एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। तीनों नेताओं ने सरकार पर अपने उद्योगपति मित्रों को फायदा पहुंचाने का भी आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हम महंगाई के खिलाफ विशाल रैली के लिए तैयार हैं, लाखों लोग रैली में शामिल होंगे। 2021 के बाद शुरू हुआ यह आंदोलन, हम गर्व से कह सकते हैं कि हम देश में महंगाई के खिलाफ लड़ने वाली पार्टी हैं। कांग्रेस नेता अजय माकन ने कहा कि पार्टी और राहुल गांधी, संसद और सड़क पर महंगाई के खिलाफ और जनता के हितों की लड़ाई लड़ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि देश के अंदर महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है, लेकिन सरकार असंवेदनशील बनी हुई है।
अजय माकन ने आगे कहा कि आप अगर मोदी सरकार के पिछले 8 साल के कार्यकाल को देखें तो क्या किसी प्रकार का कोई टैक्स कम हुआ है? लेकिन एक टैक्स जरूर कम हुआ है- कॉरपोरेट टैक्स, जो पीएम मोदी के पूंजीपति मित्रों को देना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जब पीएम मोदी ने अपने मित्रों के लिए कॉरपोरेट टैक्स आधा कर दिया तो उसकी भरपाई के लिए खाद्य पदार्थों पर जीएसटी बढ़ा दी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज कोई भी ऐसी चीज नहीं है जिसकी कीमतें आसमान न छू रही हो। इस सरकार में अमीर को और अमीर व गरीब को और गरीब बनाने का काम चल रहा है। वहीं, शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि अपने 'मित्रों' के लिए काम करने वाली भाजपा सरकार आम नागरिकों के लिए काम करे, सरकार को यह जिम्मेदारी याद दिलाने के लिए हमने दिल्ली में कल सुबह 11 बजे रैली का आयोजन किया है।

चुनाव आने से पहले ही ताश के पत्तों की तरह बिखरने लगी कांग्रेस : सुरेश कश्यप

शिमला (एजेंसी)।

हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ताश के पत्तों की तरह बिखरने लगी है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप ने कहा कि हिमाचल में कांग्रेस का कोई संगठन ही नहीं बचा है। हर कोई विधायक बनने का सपना देखते हुए अपनी ही पार्टी की जड़ें खोदने में लगा है। कश्यप ने कहा कि हालांकि लोकतंत्र में सभी को चुनाव लड़ने का अधिकार होता है, लेकिन कांग्रेस में अजीब तरह की होड़ मच गई है। बीते दिन ही बिलासपुर के पूर्व विधायक बंबर ठाकुर के खिलाफ बिलासपुर के कांग्रेस नेता ने ही मोर्चा खोल दिया।
पूर्व विधायक तिलक राम और जिला बिलासपुर कांग्रेस प्रवक्ता संदीप सांख्यान ने बंबर ठाकुर पर विधायक रहते भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और सीबीआई जांच की मांग की। यह हालत उस कांग्रेस की है जिसकी प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह कहती हैं कि भाजपा के खिलाफ चार्जशीट लाएंगे। आलम यह है कि कांग्रेसी नेता ही एक-दूसरे के खिलाफ चार्जशीट लाने में व्यस्त हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव नजदीक आते ही कांग्रेस ने हिमाचल की जनता के सामने 10 गारंटियां पेश कीं। और ये गारंटियां हिमाचल कांग्रेस के किती नेता ने नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पेश की हैं। यह दिखाता है कि कांग्रेस के पास हिमाचल में एक भी चेहरा ऐसा नहीं है जिस पर जनता भरोसा कर सके और जो खुद खुद को नेता समझते हैं उनमें एक दूसरे को पीछे धकेलने की होड़ मची है। इसीलिए उसे हिमाचल के चुनावों में घोषणाएं करवाने के लिए दूसरे राज्य के मुख्यमंत्री को बार-बार बुलाना पड़ रहा है। कांग्रेस में अनुशासनहीनता की स्थिति यह है कि कोई प्रदेश अध्यक्ष तक की नहीं सुनता। प्रतिभा सिंह को बार-बार कहना पड़ रहा है कि कोई भी नेता खुद को प्रत्याशी घोषित न करे।

चंद्रभानु गुप्ता ने 60 के दशक में कहा था हेराल्ड पर कोई जांच हो तो बहुत बड़ा खुलासा होगा : संबित पात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर गांधी परिवार पर जमकर निशाना साधा। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि चंद्रभानु गुप्ता जी की 'सफर कहीं रुका नहीं झुका नहीं' किताब विगत वर्ष छपी थी। उन्होंने जीवनी 60 के दशक में लिखी थी और उनकी मृत्यु भी हो चुकी है, अब वो जीवनी प्रकाशित हुई है। उसमें नेशनल हेराल्ड के बारे में पढ़ेंगे। अंग्रेजी में एक कहावत है 'डेजा वू', आपको ऐसा लगेगा हू-ब-हू वैसा ही फिर से रूपांतरित हो रहा है।
संबित पात्रा ने बताया कि किताब में उन्होंने कहा था कि नेशनल हेराल्ड की फंडिंग को लेकर बहुत सारे सवाल हम सभी लोगों के मन में उठते रहे हैं। यह स्वतंत्रता संग्रामियों के लिए या भारतवर्ष को प्रतिपादित करने के लिए नहीं है, बल्कि जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी का महिमामंडन करने वाला अखबार है और इसके लिए जो फंडिंग की जाती है, उसमें कुछ गड़बड़ है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि चंद्रभानु गुप्ता ने 60 के दशक में कहा था कि यदि कोई जांच एजेंसी नेशनल हेराल्ड पर जांच खोल ले और उसके पैसे के विषय को देखना शुरू कर दे तो बहुत बड़ा खुलासा हो जाएगा।
संबित पात्रा ने कहा कि नेहरू परिवार उस समय भी भ्रष्टाचारी था। उन्हें विरासत में भ्रष्टाचार मिला है। इसका खुलासा चंद्रभानु गुप्ता करते हैं, उनके चार बार के मुख्यमंत्री कहते हैं। संबित पात्रा ने कहा कि किताब में कहा गया है कि नेशनल हेराल्ड की नीति नेहरू परिवार को प्रमोट करने की थी और प्रेस की स्वतंत्रता के नाम पर जो भी नेहरू परिवार के खिलाफ कहता था, ऐसे में किस प्रकार से उनके खिलाफ मुहिम छेड़ी जाए, यह नेशनल हेराल्ड का मुख्य उद्देश्य था। उन्होंने कहा था कि उस समय भी गलत तरीके से नेशनल हेराल्ड ने कांग्रेस से पैसे लिए, जो पैसे लोगों ने कांग्रेस पार्टी को चंदे के तौर पर दिए थे, उस पैसे को नेशनल हेराल्ड में लगाया गया। उन्होंने कहा कि किताब में आगे लिखा गया है कि नेहरू को इस कंपनी का डायरेक्ट बनना था, ऐसे में कुछ लोगों को फोर्सफुली अपने शेयर बेचने पड़े ताकि 100 फीसदी शेयर नेहरू जी के पास आ जाएं। इसी बीच संबित पात्रा ने गुलाम नबी आजाद का जिक्र करते हुए कहा कि गुलाम नबी आजाद ने भी 60 के दशक में सच्चाई को उजागर किया और कांग्रेस की गड़बड़ियों को लोगों के सामने रखा। संबित पात्रा ने कहा कांग्रेस परिवार को हमारी हिदायत है कि भारत सिर्फ वही जोड़ सकता है जो भ्रष्टाचार छोड़ सकता है। जो भ्रष्टाचार छोड़ नहीं सकता है वह भारत कैसे जोड़ सकता है, यह गांधी परिवार बचाओ आंदोलन आरंभ हो रहा है।

सेना ने पाकिस्तानी जासूस मौलवी को दबोचा, सेना से जुड़ी खुफिया जानकारी भेज रहा था

जम्मू। सेना ने फिर आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कामयाबी हासिल की है। किश्तवाड़ में रहकर पाकिस्तान के लिए काम कर रहे एक मौलवी को सेना ने दबोच लिया है। 22 वर्षीय मौलवी अब्दुल वाहिद पाकिस्तान के आतंकी संगठन कश्मीरी जांबाज फोर्स के लिए काम कर रहा था। उसका काम किश्तवाड़ से सेना व प्रशासन से जुड़ी खुफिया सूचनाएं एकत्रित कर पाकिस्तान तक पहुंचाना था। मौलवी किश्तवाड़ में एक मदरसे में पढ़ाता है और स्थानीय मस्जिद में मौलवी का काम करता है। उन्होंने बताया कि राजौरी सैन्य शिविर पर फिदायीन हमले के बाद से ही सैन्य खुफिया एजेंसी व जम्मू-कश्मीर पुलिस इसका पता लगाने का प्रयास कर रही थी कि आर्तकियों को इस तरह की जानकारी कैसे मिल रही है। इसी जांच के दौरान यह बात सामने आई कि किश्तवाड़ में भी कोई व्यक्ति सैन्य शिविरों, जम्मू-कश्मीर में आतंकी घुसपैठ के कौन-कौन से मार्ग हो सकते हैं, ये जानकारी पाकिस्तान में बैठे कश्मीरी जांबाज फोर्स के सदस्यों को दे रहा है। सेना ने किश्तवाड़ में पहुंच जांच को आगे बढ़ाया,तब मौलवी अब्दुल वाहिद का पता चला। मदरसे में पढ़ाने व मस्जिद में मौलवी का काम करने वाला यह 22 वर्षीय युवक किश्तवाड़ में सेना की तैनाती, उनके कैंप आदि महत्वपूर्ण जानकारी लगातार पाकिस्तान को भेज रहा है।

'आप' सरकार की फ्री बिजली का वादा, पंजाब में 22 लाख उपभोक्ताओं का बिल आया जीरो

गुवाहटी। (एजेंसी)।

पिछले साल 29 जून को आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राज्य में घरेलू उपभोक्ताओं को प्रति माह 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की पहली गारंटी दी थी। चुनाव जीतने के ठीक एक साल बाद राज्य सरकार की तरफ से 22 लाख उपभोक्ताओं के बिजली का बिल जीरो रुपया आया है। 1 जुलाई को योजना शुरू होने के बाद आज उपभोक्ताओं को ÷शून्य बिल÷ जारी किए गए थे। चूंकि राज्य में उपभोक्ताओं को हर दो महीने में बिल मिलते हैं, इसलिए सरकार की योजना का परिणाम अब सामने आया है।
72 लाख घरेलू उपभोक्ताओं में से 42 लाख को बिजली बिल भेजे जा चुके हैं, जिनमें से 22 लाख लाभान्वित हो चुके हैं। बिजली विभाग के एक अधिकारी का कहना है कि ÷जुलाई-अगस्त बिलिंग साइकिल के दौरान भीषण गर्मी होने की वजह से बिजली की खपत अधिक होती है। जैसे-जैसे मौसम में सुधार होगा, अधिक उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जब तक सभी उपभोक्ताओं को बिल भेजे जाते हैं, तब तक 51 लाख से अधिक उपभोक्ताओं का बिल शून्य आएगा। इस अवधि के दौरान उत्तरी क्षेत्र के नौ लाख घरों (जिनमें से 5.10 लाख उपभोक्ताओं को 'शून्य बिल' प्राप्त हुए हैं) के बिजली बिल भेजे जा चुके हैं, वहीं सीमा क्षेत्र में 8.05 लाख उपभोक्ताओं को बिल भेजे गए हैं, जिनमें से 4.7 लाख उपभोक्ताओं को बिजली बिल भेजे जा चुके हैं। पंजाब सरकार का कहना है कि समाज के सभी वर्गों को राहत देने का ये सबसे मुफीद तरीका है। जीरो बिल आने पर पंजाब बिजली विभाग के अधिकारी का कहना है कि इसका फायदा उठाने वाले अधिकतर ग्राहक ग्रामीण और शहरी गरीब हैं। इनमें वो उपभोक्ता भी शामिल हैं जिनके मीटर 7 किलोवाट से कम हैं।

प्रयागराज मे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने चौपाल लगाकर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में ली जानकारी

लक्ष्मीकात पाण्डेय सूरतभूमि न्यूज

प्रयागराज। उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को ग्राम पंचायत देवरिया में चौपाल लगाकर समूह सखी, बैंक सखी, बी0सी0 सखी, विद्युत सखी, ग्राम संगठन, स्वयं सहायता समूह के लाभार्थियों तथा आमजन के साथ संवाद किया तथा स्वंय सहायता समूह की महिलाओं के कार्यों की प्रशंसा की उन्होंने कहा कि इस योजना से महिलाओं को सम्मान भी प्राप्त हुआ है तथा वे स्वावलम्बी भी बनी है। गरीबों को डीबीटी के माध्यम से योजनाओं के पात्र लाभार्थियों तक सीधे उनके खाते में पैसा भेजा जा रहा है आयोजित चैपाल में उपमुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को चाभी वितरण किया तथा उन्होंने लाभार्थियों को चेक का वितरण भी किया इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार के द्वारा गरीबों के उत्थान एवं कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है, जिनसे पात्र लोगों को लाभान्वित कराया जा रहा है उन्होंने कहा कि पात्रता के आधार पर उज्जवला योजना, आवास योजना, मनरेगा, नि:शुल्क राशन, किसान सम्मान निधि एवं पेंशन योजना, रसोई गैस सहित अन्य योजनाओं से गरीब पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित कराया जा रहा है उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार गांव, गरीब किसान, महिला, नवयुवकों के उत्थान एवं प्रगति के लिए निरंतर कार्य कर रही है उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन योजना के तहत प्रत्येक घर को हर घर नल योजना से जोड़ने का कार्य तेजी से किया जा रहा है, जिससे की लोगो को पीने का शुद्ध पेयजल प्राप्त हो सकेगा उन्होंने लोगो से साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा है इसके उपरांत उपमुख्यमंत्री ने भीटा गांव में बने अमृत सरोवर का निरीक्षण भी किया। इसके उपरांत उपमुख्यमंत्री ने बाबा सुजावन देव आदर्श गोवंश आश्रय स्थल का फीता काटकर एवं पांच गायों का पूजन कर उद्घाटन किया साथ ही साथ उन्होंने वहां पर वृक्षारोपण भी किए तथा परिसर का निरीक्षण भी किया।

इस अवसर पर सांसद प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 वी0के सिंह, विधायक बारा डॉ0 वाचस्पति, विधायक फूलपुर प्रवीण पटेल, विधायक फाफामऊ गुरू प्रसाद मौर्य, एमएलसी सुरेन्द्र चैधरी, यमुनापार के भाजपा अध्यक्ष विभव नाथ भारतीय, जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय, मुख्य विकास अधिकारी शिपू गिरि, पीडी ए0के0 मौर्या, जिला विकास अधिकारी श्री भोलानाथ कनौजिया सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मोदी का विजन, योगी की देख-रेख, अगले 1 साल में बदल जाएगी अयोध्या की तस्वीर, सोलर सिटी, राम मंदिर स्टाइल में रेलवे स्टेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की तर्ज पर उन्नाव, सीतापुर, रायबरेली, बाराबंकी और कानपुर जैसे जिलों को मिलाकर एक उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र (यूपीएससीआर) बनाने की योजना तैयार करने का निर्देश दिया। आदित्यनाथ ने यहां अपने सरकारी आवास पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए शहरी विकास विभागों के कामकाज की समीक्षा की और कई निर्देश दिए हैं। यूपी के मुख्यमंत्री ने कहा कि 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, उत्तर प्रदेश को शहरीकरण को बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि विकास प्राधिकरणों को निवेश, रोजगार और नवाचार के लिए प्रौद्योगिकी की मदद से अनायास ही आगे बढ़ना होगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास परियोजनाओं को निर्धारित करते समय अगले 50 वर्षों की स्थिति को ध्यान में रखा जाना चाहिए।' निरंतर समन्वित प्रयासों के साथ, राज्य की राजधानी लखनऊ को आज अत्याधुनिक शहरी सुविधाओं के रूप में सुसज्जित किया जा रहा है। एक महानगरीय शहर आदित्यनाथ ने कहा कि विभिन्न शहरों के लोग यहां आना चाहते हैं और इसे अपना स्थायी निवास बनाना चाहते हैं। पड़ोसी जिलों में भी आबादी बढ़ रही है और कई बार अनियोजित विकास की शिकायतें भी आती रहती हैं। ऐसे में भविष्य की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की तर्ज पर एक 'उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र' का गठन किया जाए। लखनऊ के साथ-साथ उन्नाव, सीतापुर, रायबरेली, बाराबंकी, कानपुर नगर और कानपुर देहात को भी इस राज्य की राजधानी क्षेत्र में शामिल किया जा सकता है।

सोलर सिटी अयोध्या

एक अन्य बड़ी पहल में आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि अयोध्या को 'सोलर सिटी' के रूप में विकसित करने की कार्य योजना पर तेजी से काम किया जाना चाहिए। ये प्रयास अयोध्या को वैश्विक मंच पर एक विशिष्ट पहचान देगा। अयोध्या से

पूरी दुनिया को ऊर्जा संरक्षण का बड़ा संदेश मिलेगा। ऐतिहासिक स्थानों पर भित्ति चित्र, कलाकृति, राम कथा गैलरी, ओपन-एयर थिएटर समय पर पूरा किया जाना चाहिए। रामायण परंपरा का सांस्कृतिक मानचित्रण किया जाए। इसी तरह राम वन गमन पथ पर रामायण दीर्घाओं का निर्माण कराने के लिए कार्रवाई की जाए। बरसाना में राधा रानी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को जल्द ही रोपवे की नई सुविधा मिल सकेगी। ये महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट इस साल दिसंबर तक पूरा हो जाना चाहिए। इसी तरह कैंट रेलवे स्टेशन से वाराणसी के गिरजाघर तक बनने वाला रोपवे आम आदमी को अनूठी शहरी परिवहन व्यवस्था से परिचित कराएगा। बयान में कहा गया है कि इस परियोजना को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

दलाई लामा की तस्वीरें रखने पर दो तिब्बती साधुओं तीन साल की सजा

बीजिंग । चीनी अधिकारियों ने तिब्बत के प्रमुख बौद्ध आध्यात्मिक नेता दलाई लामा की तस्वीरें रखने पर दो तिब्बती साधुओं को कम से कम तीन साल जेल की सजा सुनाई है। दलाई लामा 1959 से भारत में रह रहे हैं। 30 साल के एक साधु तेनज़िन धारग्ये को सितंबर 2020 में गिरफ्तार किया गया था। सूत्रों ने कहा कि उनके साथ कई अन्य साधुओं को भी गिरफ्तार किया गया। रिग्त्से उनमें से एक थे। उनकी उम्र के बारे में पता नहीं। तेनज़िन धारग्ये को तीन साल और छह महीने की सजा सुनाई गई, जबकि रिग्त्से को तीन साल की सजा सुनाई गई। दोनों साधु तिब्बती स्वायत प्रांत के सेरशुल काउंटी के एक मठ में रहने वाले 250 लोगों में से थे। उनके सेल फोन पर दलाई लामा की तस्वीरें थीं और वे पिछले दो वर्षों से हिरासत में हैं। सूत्र ने कहा, इस साल मई में उन दोनों को दलाई लामा की तस्वीरें लेकर 'अलगाववाद' करने का दोषी ठहराया गया। सूत्र ने कहा, वे दोनों सेरशुल काउंटी में पीपुल्स कोर्ट द्वारा दोषी ठहराए गए थे और कोई नहीं जानता कि मुकदमा कितना निष्पक्ष था क्योंकि उनके परिवारों और रिश्तेदारों को उनसे मिलने की अनुमति नहीं थी।

तिब्बती लोगों को चीनी अधिकारियों द्वारा धमकी दी जाती है, इसलिए वे उनके बारे में कोई जानकारी साझा नहीं करते हैं, इसकारण हम उनके स्वास्थ्य के बारे में नहीं जानते हैं या उन्हें किस जेल में बंद किया गया है। 2011 से, चीनी सरकार आक्रामक रूप से हर घर का निरीक्षण कर रही है और तिब्बतियों को धमका रही है, उन्हें बता रही है कि दलाई लामा की तस्वीरें रखना हथियार रखने के समान ही घोर अपराध है।

फ्रांसीसी अभियोजक ने आतंकवादी हमले के बढ़े हुए खतरे के प्रति आगाह किया

पेरिस, । फ्रांस के राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधी अभियोजक ने इराक और सीरिया से आने वाले इस्लामी कट्टरपंथियों से फ्रांसीसी भूमि पर आतंकवादी हमलों के बढ़े हुए खतरे के प्रति शुक्रवार को आगाह किया। फ्रांसीसी समाचार चैनल 'बीएफएम टीवी' को दिए साक्षात्कार में जीन-फ्रांकोइस रिकर्ड ने कहा कि जिन क्षेत्रों में आतंकवादी सक्रिय हैं, विशेषकर इराक और सीरिया जैसे देश, वहां से आने वाले कट्टरपंथियों द्वारा फ्रांस में आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने की आशंकाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है। रिकर्ड की यह टिप्पणी 2016 में नीस में बैस्तिल डे पर हुए ट्रक हमले के सिलसिले में आठ संदिग्धों के खिलाफ मुकदमे की शुरुआत से पहले आई है, जिसमें 86 लोग मारे गए थे। इस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने ली थी। उन्होंने कहा, '2020 के बाद से आतंकवादी खतरा बढ़ गया है। पिछले दो साल से हम देख रहे हैं कि आईएस इराक और सीरिया जैसे देशों में कैसे एक बार फिर सिर उठा रहा है और कुछ हिस्सों पर नियंत्रण हासिल करने में सफल हो रहा है।' रिकर्ड ने जनवरी में सीरिया के उत्तर-पूर्वी शहर हस्साकेह में एक जेल पर हुए हमले का जिक्र किया, जिसमें आईएस के संदिग्ध आतंकवादी भी बंद थे। उन्होंने कहा कि फ्रांस में आतंकवाद से संबंधित आरोपों में दोषी ठहराए गए ऐसे लोगों ने एक और खतरा पैदा किया है, जो अब रिहा होने जा रहे हैं। रिकर्ड ने कहा कि ऐसे लोग अपराध का रास्ता कम ही छोड़ते हैं और फ्रांस की न्यायिक एवं खुफिया सेवाएं उन पर लगातार नजर रखेंगी। फ्रांसीसी अभियोजक ने कहा कि आतंकवादियों को हमले करने से रोकने के लिए फ्रांसीसी अधिकारियों को 'सब कुछ करने की आवश्यकता होगी।' उन्होंने कहा, यह एक वास्तविक समस्या है, जिससे हमें निश्चित रूप से खारिज नहीं करना चाहिए।

फ्रांस में आतंकवादी हमलों के बढ़े खतरे को लेकर अभियोजक ने चेताया

पेरिस । आतंकवाद वैश्विक समस्या बनता जा रहा है। ऐसे में फ्रांस के राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधी अभियोजक ने इराक और सीरिया से आने वाले इस्लामी कट्टरपंथियों से फ्रांसीसी भूमि पर आतंकवादी हमलों के बढ़े हुए खतरे के प्रति चेताया है। एक फ्रांसीसी चैनल को दिए साक्षात्कार में जीन-फ्रांकोइस रिकर्ड ने कहा कि जिन क्षेत्रों में आतंकवादी सक्रिय हैं, विशेषकर इराक और सीरिया जैसे देश, वहां से आने वाले कट्टरपंथियों द्वारा फ्रांस में आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने की आशंकाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है।

रिकर्ड की यह टिप्पणी 2016 में नीस में बैस्तिल डे पर हुए ट्रक हमले के सिलसिले में आठ संदिग्धों के खिलाफ मुकदमे की शुरुआत से पहले आई है, जिसमें 86 लोग मारे गए थे। इस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने ली थी। उन्होंने कहा, '2020 के बाद से आतंकवादी खतरा बढ़ गया है। पिछले दो साल से हम देख रहे हैं कि आईएस इराक और सीरिया जैसे देशों में कैसे एक बार फिर सिर उठा रहा है और कुछ हिस्सों पर नियंत्रण हासिल करने में सफल हो रहा है।'

रिकर्ड ने जनवरी में सीरिया के उत्तर-पूर्वी शहर हस्साकेह में एक जेल पर हुए हमले का जिक्र किया, जिसमें आईएस के संदिग्ध आतंकवादी भी बंद थे। उन्होंने कहा कि फ्रांस में आतंकवाद से संबंधित आरोपों में दोषी ठहराए गए ऐसे लोगों ने एक और खतरा पैदा किया है, जो अब रिहा होने जा रहे हैं। रिकर्ड ने कहा कि ऐसे लोग अपराध का रास्ता कम ही छोड़ते हैं और फ्रांस की न्यायिक एवं खुफिया सेवाएं उन पर लगातार नजर रखेंगी।

फ्रांसीसी अभियोजक ने कहा कि आतंकवादियों को हमले करने से रोकने के लिए फ्रांसीसी अधिकारियों को 'सब कुछ करने की आवश्यकता होगी।' उन्होंने कहा, यह एक वास्तविक समस्या है, जिससे हमें निश्चित रूप से खारिज नहीं करना चाहिए।

चीन के शिनजियांग प्रांत में मानवाधिकारों के हनन पर अमेरिका ने ड्रैगन को लताड़ा

वॉशिंगटन । चीन के शिनजियांग प्रांत और तिब्बत सहित अन्य क्षेत्रों में अल्पसंख्यक समुदायों पर अन्याय और हिंसा को लेकर मानवाधिकारों लगातार अवहेलना को लेकर अमेरिका ने बीजिंग को खरी-खरी सुनाई है। उसने अपने भागीदारों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर बीजिंग को अपने ही लोगों के खिलाफ किए जा रहे घृणित कार्यों और उनके मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए जवाबदेह ठहराए जाने की प्रतिबद्धता भी जताई।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरेन ज्यां-पियरे ने गुरुवार को अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन के दौरान शिनजियांग में मानवाधिकारों की स्थिति को लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त की रिपोर्ट का स्वागत किया, जो बुधवार रात जारी की गई थी। ज्यां-पियरे ने कहा, 'रिपोर्ट चीन में हो रहे नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों को लेकर हमारी चिंताओं को और बढ़ाती है। शिनजियांग में अत्याचारों पर हमारी स्थिति हमारी कथनी और कार्यों से स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।' उन्होंने कहा, 'अमेरिका इस रिपोर्ट का स्वागत करता है, इस अहम रिपोर्ट का, जो चीन सरकार द्वारा उइगर और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के साथ किए गए घृणित मानवाधिकार व्यवहार का आधिकारिक रूप से वर्णन करती है।' इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के शिनजियांग में उइगर समुदाय के लोगों और अन्य को जबरन नजरबंद रखना मानवता के खिलाफ अपराध के दायरे में आ सकता है। ज्यां-पियरे ने कहा कि बाइडन प्रशासन ने ठोस कदम उठाए हैं और राष्ट्रपति ने जी7 सहित सहयोगी देशों और भागीदारों को यह सुनिश्चित करने के लिए लामबंद किया है कि शिनजियांग सहित सभी स्थान जबरन श्रम से मुक्त हों। उन्होंने कहा, 'हम चीन को जवाबदेह ठहराने के लिए भागीदारों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। हम चीन से शिनजियांग, तिब्बत और पूरे चीन में इन अत्याचारों को तुरंत बंद करने, अन्यायपूर्ण तरीके से नजरबंद किए गए लोगों को रिहा करने, लापता लोगों का पता बताने और स्वतंत्र जांचकर्ताओं को बिना किसी बाधा के शिनजियांग तक पहुंचने देने का आह्वान करेंगे।' अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने एक बयान जारी कर कहा कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायोग कार्यालय द्वारा 31 अगस्त को जारी रिपोर्ट शिनजियांग में होने वाले मानवाधिकारों के उल्लंघन और दुर्व्यवहारों का खतरनाक विवरण बयां करती है।

ब्रिटेन में रातोंरात मालामाल हो गया एक कपल, मिले करोड़ों के सिक्के

लंदन । ब्रिटेन में एक कपल रातों-रात करोड़पति हो गया है। उन्होंने यह कभी नहीं सोचा होगा कि एक दिन में वह इतना मालामाल हो जाएंगे। इन्हें अपने घर की मरम्मत के दौरान सोने के सिक्के मिले हैं। ब्रिटिश कपल को किचन फ्लोर के नीचे 264 सोने के सिक्कों का एक भंडार मिला है। कपल नॉर्थ यॉर्कशायर में रहते हैं। इन प्राचीन सिक्कों की कीमत 250,000 पाउंड यानि 2.3 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। इसे अब नीलामी के माध्यम से बेचा जाएगा। मालूम हो कि कपल 10 साल से इसी घर में रह रहे थे लेकिन इस बात की इन्हें तनिक भी भनक नहीं लगी कि उनके घर के नीचे करोड़ों का खजाना छुपा हुआ है। कपल अब इस खजाने को स्पिंक एंड सन के जरिए नीलामी के माध्यम से बेचने की तैयारी में जुटा है। सोने के सिक्कों का भंडार 400 साल से अधिक पुराना है और इसे 2019 में खोजा गया था। कपल को यह सिक्का तब मिला जब किचन के फ्लोर को उन्होंने मरम्मत के दौरान हटाया। सिक्का एक मेटल के अंदर पाया गया, जो कंक्रीट के नीचे सिर्फ छह इंच दबा हुआ था। कपल ने पहले सोचा कि उन्होंने एक बिजली के केबल पर हिट किया है, लेकिन जब उन्होंने फर्श को उठाया तो उन्हें एक कप में सिक्कों का ढेर मिला।

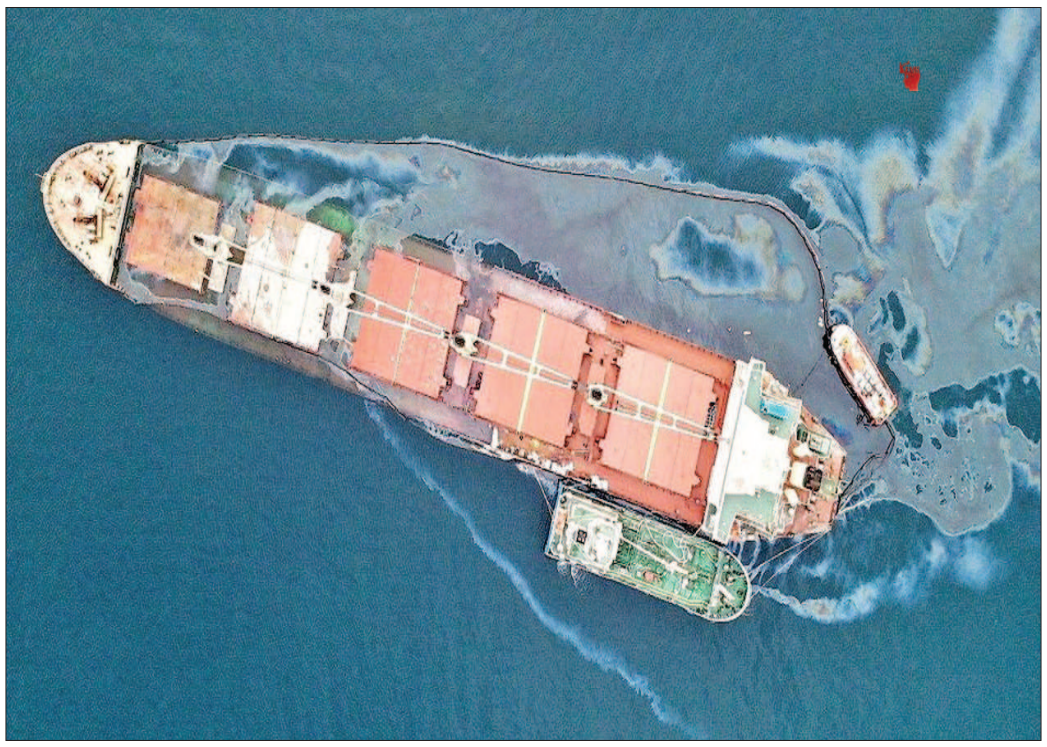

जिब्राल्टर के पास एलएनजी टैंकर के साथ टक्कर के बाद कैटलन खाड़ी में आधे डूबे मालवाहक जहाज ओएस 35 से तेल रिसाव बड़े पैमाने पर हो रहा है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने 'स्वतंत्रता शब्द लिखकर किया टवीट, हो गया वायरल

कीव । यूक्रेन और रूस के बीच छह माह से ज्यादा समय से युद्ध हो रहा है। इस युद्ध में यूक्रेन को भारी नुकसान पहुंचा है। उसके कई बड़े शहर खंडहर में तब्दील हो गए। रूस के मुकाबले कई गुना कमजोर होने के बावजूद यूक्रेन झुकने की बजाए डटकर सामना कर रहा है। इस बीच राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने ट्विटर पर एक पोस्ट किया जो कि कुछ ही देर में ट्रेंड करने लगा। इस पोस्ट की सबसे खास बात यह थी कि यह पोस्ट मात्र एक शब्द वाला था। ट्विटर पर पोस्ट करने के लिए शब्दों की लिमिट होती है लेकिन यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सिर्फ एक शब्द का पोस्ट किया। अब यह चर्चा में बना हुआ है। अपना मैसेज लोगों तक पहुंचाने के लिए शुक्रवार को अपने पोस्ट में जेलेंस्की ने सिर्फ 'स्वतंत्रता' लिखा। जेलेंस्की का यह एक शब्द वाला मैसेज पोस्ट करते ही कुछ देर में ट्विटर के ट्रेंडिंग लिस्ट में शामिल हो गया। अक्सर कई बार बड़े बड़े ब्रांड और मशहूर हस्तियां एक शब्द वाले ट्वीट करते हैं, जिससे उनके पोस्ट को एक अहम पहचान मिल सके। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बीच यह एक शब्द स्वतंत्रता वाला ट्वीट यह दर्शाने के लिए हो सकता है कि यूक्रेनियन लोगों के लिए यह लड़ाई क्या है। जेलेंस्की ने इस एक शब्द वाले ट्वीट से हजार शब्दों वाली एक तस्वीर को चित्रित किया है।

नासा ने नहीं मानी हार, नया रॉकेट चांद तक जाने को एकबार फिर तैयार

लंदन। (एजेंसी)।

स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) रॉकेट पर आरएस-25 इंजन में खराबी के कारण नासा के आर्टेमिस 1 लॉन्च को स्थगित करना पड़ा था। जिसके बाद अब नासा आज फिर से को चंद्रमा की अपनी पहली यात्रा पर अपने स्पेस लॉन्च सिस्टम को लॉन्च करने के लिए प्रयास करने के लिए तैयार है। रॉकेट अपनी पहली यात्रा पर ओरियन अंतरिक्ष यान के साथ शीर्ष पर लॉन्च होगा, जिसका उद्देश्य भविष्य में मनुष्यों के लिए चंद्र सतह तक पहुंचने के लिए मंच तैयार करना है।

अंतरिक्ष यान फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर के लॉन्चपैड 39बी से उड़ान भरेगा। लॉन्च भारतीय समय अनुसार रात के 11:45 बजे के लिए निर्धारित है। नासा ने एक बयान में कहा कि 29 अगस्त को पिछले लॉन्च प्रयास के बाद से टीमों ने प्रक्रियाओं, अभ्यास संचालन और परिष्कृत समयसीमा को अद्यतन किया है। प्रक्षेपण रद्द होने के कुछ दिनों बा अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को प्रक्षेपण के लिए अपनी मंजूरी दे दी। एजेंसी ने एक अपडेट में कहा कि अमेरिकी स्पेस फोर्स स्पेस लॉन्च डेल्टा 45 के साथ मौसम विज्ञानी 60त्न

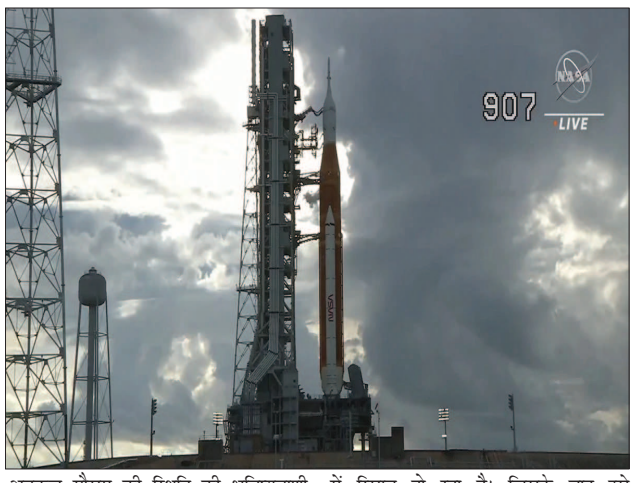

अनुकूल मौसम की स्थिति की भविष्यवाणी करी है।

पहले प्रयास के दौरान क्या हुआ?

लॉन्च से पहले इंजन को लिक्विड हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के साथ कंडीशन किया जाना था, लेकिन टीम के इंजीनियरों ने देखा कि इंजन में रिसाव हो रहा है। जिसके बाद इसे काउंटडाउन को रोक दिया गया। काउंटडाउन क्लॉक को टी-40 मिनट पर रोक दिया गया। ये इस बात पर निर्भर करता है कि आज के असफल प्रयास की समस्या का निपटारा हो जाने के बाद लॉन्च के लिए अगला उपलब्ध अवसर 3 सितंबर का रखा गया।

सुनक, ट्रस के बीच प्रधानमंत्री पद की दौड़ में अंतिम चरण का मतदान संपन्न, परिणाम सोमवार को

लंदन (एजेंसी)।

बोरिस जॉनसन के स्थान पर कंजर्वेटिव पार्टी के नेता और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद के लिए पूर्व वित्त मंत्री ऋषि सुनक और विदेश मंत्री लिज ट्रस के बीच दौड़ के क्रम में शुक्रवार को अंतिम चरण का मतदान संपन्न हो गया जिसमें पार्टी के सदस्यों ने अपने पसंदीदा उम्मीदवार के पक्ष में वोट डाले। कंजर्वेटिव पार्टी के प्रचार मुख्यालय ने कहा कि प्रधानमंत्री पद की दौड़ के विजेता की घोषणा सोमवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12.30 बजे की जाएगी। सुनक (42) और ट्रस (47) ने कंजर्वेटिव पार्टी के लगभग 1,60,000 सदस्यों के मत पाने और उन्हें प्रभावित करने के लिए कई बार आमने-सामने की बहस की।

भारतीय मूल के पूर्व मंत्री ने अपने अभियान में तत्काल प्राथमिकता के रूप में बढ़ती मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने की बात कही। वहीं, विदेश मंत्री ट्रस ने वादा किया कि यदि वह प्रधानमंत्री

चुनी जाती हैं तो कार्यभार संभालने के पहले दिन से ही करों में कटौती करने का आदेश जारी करेंगी। सुनक अंतिम दो उम्मीदवार चुनने के लिए पार्टी के सांसदों द्वारा किए गए मतदान में जहां ट्रस से आगे थे, वहीं एक सर्वेक्षण में पार्टी के सदस्यों के मतदान में उनके पिछड़ने की बात कही गई है। हालांकि, सुनक के समर्थकों को उम्मीद है कि सर्वेक्षण सही साबित नहीं होगा क्योंकि 2019 के आम चुनाव में बोरिस जॉनसन भी सर्वेक्षणों के अनुमान के विपरीत देश के प्रधानमंत्री बने थे।

संकटग्रस्त अफगानिस्तान की मिशन प्रमुख होंगी किर्गिस्तान की पूर्व राष्ट्रपति : यूएन महासचिव

जिनेवा (एजेंसी)।

वैश्विक निगरानी संस्था संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने किर्गिस्तान की पूर्व राष्ट्रपति रोजा ओटुनबायेवा को संकटग्रस्त अफगानिस्तान के लिए संयुक्त राष्ट्र का नया विशेष दूत नियुक्त किया गया है। महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने यह घोषणा की है। ओटुनबायेवा, अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र की राजनीतिक मिशन की प्रमुख के रूप में कनाडा की डेबोरा लियोन की जगह लेंगी, जिसे यूएनएएमए के नाम से जाना जाता है। वह संयुक्त राष्ट्र के मानवीय कार्यों और देश के तालिबान शासकों के साथ व्यवहार की प्रभारी होंगी। गुतारेस ने कहा कि ओटुनबायेवा को नेतृत्व, कूटनीति, नागरिक जुड़ाव और अंतरराष्ट्रीय सहयोग में 35 वर्षों से अधिक का पेशेवर अनुभव है। उन्होंने 2010-2011 में राष्ट्रपति के रूप में, तीन मौकों पर विदेश मंत्री के रूप में, संसद में और उप प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। वह अमेरिका और ब्रिटेन में किर्गिस्तान की राजदूत भी थीं। वर्तमान में, ओटुनबायेवा मध्यस्थता पर गुतारेस के उच्च-स्तरीय सलाहकार बोर्ड की सदस्य हैं और किर्गिस्तान में रोजा ओटुनबायेवा इनिशिएटिव फाउंडेशन की प्रमुख हैं। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ्स ने सोमवार को सुरक्षा परिषद को चेतावनी दी कि अफगानिस्तान भीषण गरीबी से जूझ रहा है, जिसमें 60 लाख लोग मानवीय, आर्थिक, जलवायु और वित्तीय संकटों के कारण भोजन की गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमें आशंका है कि ये आंकड़े जल्द और बिगड़ जाएंगे क्योंकि सर्दियों के मौसम में पहले से ही ईंधन और खाद्य कीमतें आसमान छू रही हैं।'

अगर मेरी पार्टी के कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न नहीं रुका तो इस्लामाबाद तक रैली निकालूंगा : इमरान खान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सरकार को आगाह किया है कि अगर उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं का राजनीतिक उत्पीड़न जारी रहा तो वह इस्लामाबाद तक एक विशाल रैली निकालेंगे। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने शनिवार को बताया कि देश की सबसे घनी आबादी वाले पंजाब प्रांत के गुजरात में एक जनसभा को संबोधित करते हुए इमरान ने कहा कि उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के कार्यकर्ताओं को तब से ही अनावश्यक रूप से निशाना बनाया जा रहा है, जब इस साल अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव के जरिये उन्हें प्रधानमंत्री पद से हटाया गया था।

इमरान ने कहा, ''अगर मौजूदा सरकार ने पीटीआई समर्थकों को निशाना बनाना नहीं बंद किया तो इस्लामाबाद तक आजादी आंदोलन किया जाएगा। मैं आज आपको (पीएमएल-एन नीत सरकार) को आगाह कर रहा हूं कि अगर आपने यह राजनीतिक उत्पीड़न जारी रखा तो हमारा न्याय आंदोलन इस्लामाबाद पहुंचेगा और आपको कहीं छिपने की जगह नहीं मिलेगी।'' इमरान ने अपने करीबी सहयोगी शहबाज गिल

समेत पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं को राजद्रोह के आरोपों में गिरफ्तार किए जाने के बाद से सरकार के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। पीटीआई के 69 वर्षीय अध्यक्ष ने गिल पर कथित बलपूर्वक कार्रवाई के लिए सरकार की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि उन्हें नग्न और प्रताड़ित किया गया। इमरान ने कहा, ''सरकार ने पत्रकार जमील फारूकी को भी प्रताड़ित किया। उन्हें नग्न होने के लिए मजबूर कर अपमानित किया गया। हलीम आदिल के खिलाफ भी कई मुकदमे दर्ज किए गए हैं। उन्हें भी जेल में प्रताड़ित किया जा रहा है।'' पूर्व प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को दिए संबोधन में युवाओं से कहा कि उन्हें एक साथ मिलकर देश के न्यायिक तंत्र को बेहतर बनाने के लिए काम करना चाहिए। इस बीच, राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने शुक्रवार को राजनीतिक दलों से विनाशकारी बाढ़ के कारण अपनी राजनीतिक गतिविधियों को रोकने का आग्रह करते हुए कहा कि राष्ट्रीय संस्थानों के भीतर विभाजन पैदा करने वाली बातें राष्ट्र हित में नहीं हैं। 'डॉन' अखबार की खबर के मुताबिक, राष्ट्रपति ने सभी पक्षकारों से देश को एकजुट करने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने का भी आग्रह किया।

उपराष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज की हत्या करने की कोशिश नाकाम, नहीं चली पिस्तौल

यूनस आयर्स (एजेंसी)।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज ने बताया कि देश की उपराष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज के घर के बाहर उनकी हत्या करने की कोशिश की गई। एक व्यक्ति ने उन पर पिस्तौल तान दी थी, लेकिन वह चली नहीं। अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार रात हुई घटना के तुरंत बाद संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया गया। राष्ट्रपति ने घटना के बाद एक राष्ट्रीय प्रसारक से कहा, '' एक व्यक्ति ने उनके सिर पर (बृहस्पतिवार रात) हथियार ताना।'' उन्होंने कहा कि गोली नहीं चली, जबकि '' उसने ट्रिगर खींच दिया था।''

उपराष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज 2007 से 2015 तक देश की राष्ट्रपति भी रह चुकी हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि उपराष्ट्रपति को कोई चोट नहीं आई है। संदिग्ध व्यक्ति उनके समर्थकों के बीच खड़ा था, जिसे घटना के तुरंत बाद पकड़ लिया गया। मौके पर मौजूद जिना दे बई ने 'द एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि उन्होंने ''ट्रिगर खींचने की आवाज सुनी थी।'' उन्होंने कहा कि सुरक्षा कर्मियों के संदिग्ध को पकड़ने तक उन्हें एहसास नहीं हुआ था कि वह किसी हथियार की आवाज है।

राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज ने इसे 1983 में ''देश में लोकतंत्र बहाल होने के बाद की अभी तक की सबसे गंभीर घटना बताया।'' घटना ऐसे समय में हुई है, जब उपराष्ट्रपति के खिलाफ उनके 2007-2015 के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार के कथित कृत्यों के संबंध में मुकदमे चल रहे हैं। स्थानीय टेलीविजन चैनल पर प्रसारित घटनास्थल के वीडियो में फर्नांडीज अपने घर के बाहर समर्थकों से घिरे अपने वाहन से बाहर निकलती दिख रहीं है और तभी एक व्यक्ति ''पिस्तौल'' जैसी दिखने वाली कोई एक वस्तु लिए नजर आ रहा है।

हालांकि, उपराष्ट्रपति वहां से निकलने में कामयाब रहीं। वीडियो में मौके पर मौजूद उपराष्ट्रपति के समर्थक भी स्तब्ध नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित असत्यापित वीडियो में हथियार फर्नांडीज के चेहरे को लगभग छूता नजर आ रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि हमलावर की पहचान ब्राजील के नागरिक फर्नांडो आद्रे सबाग मोंटिएल के तौर पर हुई है। उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। उसके पास .32-कैलिबर बर्सा पिस्तौल थी। राष्ट्रपति ने उपराष्ट्रपति के साथ एकजुटता व्यक्त करने और लोगों को इस घटना से उबरने का समय देने के लिए शुक्रवार को छुट्टी की घोषणा की है।

गौरतलब है कि एक अभियोजक ने पिछले सप्ताह सार्वजनिक कार्यों में कथित भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में फर्नांडीज को 12 साल की सजा देने की मांग की थी, जिसके बाद से उपराष्ट्रपति के समर्थक उनके साथ एकजुटता दिखाने के लिए उनके घर के आसपास सड़कों पर जमा होते रहे हैं। सरकार के अधिकारियों ने इस घटना को हत्या का प्रयास बताया है। वित्त मंत्री सर्जियो मास्सा ने कहा, '' जब विचारों पर नफरत व हिंसा थोपी जाती है, तो समाज बर्बाद हो जाते हैं और आज

जैसी स्थिति उत्पन्न होती है।यह हत्या का प्रयास है।'' राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज की सरकार में मंत्रियों ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करकहा कि वे उपराष्ट्रपति की ''हत्या के प्रयास की कड़ी निंदा करते हैं।'' विज्ञप्ति में कहा गया, ''आज रात जो हुआ वह अत्यधिक गंभीर घटना है और लोकतंत्र, संस्थाओं व कानून के शासन के लिए खतरा है।

संपादकीय

अशांत जल में युद्धपोत

राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभाल रहे रानिल विक्रमसिंघे जब देश को पटरी पर लाने के लिये प्रयासरत थे तब चीन ने खुफिया जहाज को हंबनटोटा बंदरगाह पर रुकने की अनुमति देने के लिये दबाव बनाया। इतना ही नहीं, भारत द्वारा इसका विरोध करने पर चीन ने भारत के खिलाफ जमकर दुष्प्रचार किया।

राजनीतिक अस्थिरता व आर्थिक दिवालियेपन के कगार पर खड़े श्रीलंका के बंदरगाह पर चीनी जासूसी जहाज का रुकना चीन के खतरनाक साम्राज्यवादी मंसूबों को ही उजागर करता है। कह सकते हैं कि पहले ही संकट से गुजर रहे श्रीलंका की मुश्किलें ही इस चीनी कदम से बढ़ेंगी। कहने को तो चीनी दलील थी कि यह अनुसंधान के लिये तैनात जहाज है,लेकिन अत्याधुनिक सामरिक तकनीकों से लैस जहाज को भारतीय सीमा के निकट भेजना, चीन के खतरनाक मंसूबों पर सवाल उठाता है। चीन ने यह कोशिश ऐसे वक्त में की जब श्रीलंकाई सत्ताधीशों के कुशासन से तंग आ चुके लोगों ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया था व पूर्व राष्ट्रपति देश से भाग रहे थे। राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभाल रहे रानिल विक्रमसिंघे जब देश को पटरी पर लाने के लिये प्रयासरत थे तब चीन ने खुफिया जहाज को हंबनटोटा बंदरगाह पर रुकने की अनुमति देने के लिये दबाव बनाया। इतना ही नहीं, भारत द्वारा इसका विरोध करने पर चीन ने भारत के खिलाफ जमकर दुष्प्रचार किया। यहां तक कि चीनी राजदूत ने ट्वीट्स की एक श्रृंखला के जरिये आरोप लगाया कि भारत हमेशा से श्रीलंका विरोधी रहा है और श्रीलंका के उत्तरी पड़ोसी ने उस पर 17 बार आक्रमण किये हैं। कुल मिलाकर श्रीलंका में भारत विरोधी भावनाएं भड़काने के लिये इतिहास की घटनाओं को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। दरअसल, चीन ने पाक जलडमरू मध्य के दोनों ओर प्राचीन व मध्यकालीन राज्यों से संबंधित स्थानीय झड़पों को श्रीलंका के खिलाफ युद्ध दिखाकर भारत विरोधी भावनाएं पैदा करने की कुत्सित कोशिश ही की। बाकायदा तथ्यों से खिलवाड़ कर श्रीलंका की सुरक्षा चिंताओं के लिये भारत को दोषी ठहराने का प्रयास किया। लेकिन भारत ने भी चीनी मंसूबों पर पानी फेरने के लिये कूटनीतिक प्रयासों को लगातार जारी रखा, जिसका परिणाम देखने में भी आया। यह भारत के कूटनीतिक प्रयासों का ही परिणाम था कि श्रीलंका ने चीनी जहाज को कुछ शर्तों के साथ अपनी जल सीमा में रुकने की अनुमति दी। श्रीलंका ने चीन को तीन शर्तों के साथ यह अनुमति दी। पहला, जासूसी जहाज को अपनी स्वचालित पहचान प्रणाली को चालू रखना होगा। दूसरा, श्रीलंकाई जल सीमा में चीन को वैज्ञानिक अनुसंधान की अनुमति नहीं दी गई। तीसरे, किसी भी चीनी चालक दल को उतरने की अनुमति नहीं होगी। कह सकते हैं कि विषम परिस्थितियों में फंसे होने के बावजूद श्रीलंका ने भारतीय चिंताओं का ध्यान रखा। बल्कि इस दौरान भारत ने चीन की दुखती रग पर हाथ रखा और ताइवान के निकट समुद्र में उत्पन्न अशांत स्थिति का भी जिक्र किया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस बाबत कहा भी है कि श्रीलंका को किसी दूसरे देश के एजेंडे को पूरा करने के लिये अवांछित दबाव में नहीं आना चाहिए। बहरहाल, हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी जासूसी जहाज को लेकर यदि अमेरिका तक चिंता जता रहा है तो स्थिति की गंभीरता को भारत नजरअंदाज नहीं कर सकता। यह बात किसी के गले नहीं उतरती कि चीन अपनी धरती से हजारों मील दूर हिंद महासागर में अनुसंधान को प्राथमिकता दे जबकि उसकी विस्तृत जल सीमा है और तमाम देशों से जल सीमा को लेकर विवाद जारी हैं। हकीकत यह है कि चीन जिसे हाई-टेक अनुसंधान पोत बता रहा है वास्तव में वह उसका जासूसी जहाज है, जिसकी कमान चीनी सेना के पास होती है। यह जहाज भारत की भीतरी सीमा तक जासूसी करने में सक्षम है।

कार्टून

महर्षि दधीचि जयंती : वज्र के लिए अपनी हड्डियों का दान देने वाले महान संत दधीचि

(लेखक - राजेश शर्मा)

(4 सितम्बर श्री महर्षि दधीचि जयंती विशेष)

जय दधीचि, भारतीय संस्कृति उत्सवों और महोत्सवों की संस्कृति है। पुनीत पावन पूजनीय यह भारत की भूमि अवतारों की भूमि है! ये भूमि संस्कारो की भूमि है, सारी देव सत्ता अनेकों रूपो में यहा पर विद्यमान है! भारत की भूमि पर जन्म लेना ही इस बात का प्रमाण है कि ईश्वर की परम कृपा हम सभी पर है तभी हम सभी भारतवासी है ओर सबसे अच्छी बात यह है के भारत में होना ही भाग्य होता है लेकिन भारत का होना सौभाग्य है। कोई व्यक्ति पूरी दुनिया में कहीं भी जन्मे रहे वो अपने जीवन काल में अगर एक बार भी भारत आया हो और यहां की मिट्टी, हवा पानी, में कुछ दिन बिताए तो यह उसके भाग्य की बात है लेकिन जो इस भूमि पर ही जन्मा हैं यही रह रहा है वो व्यक्ति सौभाग्यशाली होता है। ओर आप और हम सभी सौभाग्यशाली ही है क्योंकि आप हम सभी भारतवासी है। ओर एक बात कहना चाहूंगा के भारत में जन्म लेना ओर यही पर रहना इस बात को भी प्रमाणित करता है के हम सभी उस परमेश्वर की नजदीकी में है, उसकी नजर में है हम उसके आंगन में है। उसकी कृपा और हमारे पूर्व पुन्यो का फल है के हम आप भारतीय है। भारत कि भूमी पावन ओर पवित्र भूमि है, इस भूमि पर सदियों से गंगा जमुना सहित अनेकों नदिया अपना अमृत हमे पिला रही है। यहां की प्रकृति को सभी ईश्वर स्वरूप मान पूजते है, यह भूमि राम कृष्ण सहित अनेकों अवतारों की भूमि है, यहां केलाश पर्वत पर आज भी शिव जी परिवार सहित विराजमान है, यही पर बद्रीविशाल है,यही पर केदार नाथ है, यही पर बाबा अमरनाथ है, बाबा महाकाल है बारह ज्योतिर्लिंगों में शिव संपूर्ण भारत में विराजित हैं। यही पर जगदम्बा भवानी 51 शक्तिपीठ के रूप में विराजमान है, जंहा गुरु शिष्य परम्परा आज भी है, यहां आज भी सदियों पुराने संस्कारो को पूरे मन, वचन से निभाया जाता है, यहां सभी में ईश्वर को देखा जाता है, गाय,नदिया,धरती, पर्वत,सागर,पेड़,सहित पूरे देश को पूजा जाता है यही वो देश भूमि है दुनिया में मात्र एक जहा पर मातापिता को ईश्वर की बराबरी में पूजा जाता है। ये वो भूमि है जहां कन्या पूजन किया जाता है यही पर बेटी के पैर धोकर उस पानी को पीकर कन्यादान किया जाता है, ये वो भूमि है जहा आने वाली बहू को लक्ष्मी का रूप मान कर प्रथम आगमन पर पूरा परिवार उसकी आरती उतारकर स्वागत कर घर में आमंत्रित करते है। जहा बच्चा जन्म लेता है उसके पांचवे दिन जलाशय किनारे जाकर जल देव से विनती की जाती है के है जल देव इस नव शिशु को सदैव आपने अमृत से तप्त रखना, छटवे दिन सूरज पूजा कर सूर्य नारायण भगवान से प्रार्थना की जाती है के है नारायण इस नवशिशु को आप अपनी ऊर्जा से पोषित करना, धरती माता से विनती की जाती है के है माता इस बच्चे को भी तुम आपने द्वारा उत्पन्न अनाज से सदा धापे रखना, यही पर चंद्र पूजन कर पति की लंबी आयु की प्रार्थना की जाती है, ओर अनेकों रीति रिवाजों को निभाया जाता है।यह भूमि ऋषि मुनियों की भूमि है जप,तप, हवन पूजन चिंतन मनन की भूमि है। ओर सबसे महत्वपूर्ण बात पुरे भारत के हर निवासी के, हर समाज के लोगो के लिए यह भी है के यह भूमि ऋषियों मुनियों की भूमि है और इसी भारत भूमि पर एक ऋषि हुए है जो महातपस्वी, महाशक्ति, महाज्ञानी, ओर सर्व जगत कल्याण के लिए जिन्होंने अपनी देह को ही दान में दे दी और महादानी कहलाए जिनको पूरी देव सत्ता और तीनों लोक दधीचि के नाम से जानते है, और शैव धर्म का पालन करने वाली गु र व समाज के सभी बंधुओ का भाग्य है के आप सभी उस कुल से है जिस कुल को देवगण भी मान सम्मान देते थे हम उसके कुल के है जिसको शैव धर्म कहा जाता है आज हम सभी भारतीय होकर सौभाग्यशाली तो है ही साथ ही हम दधीचि को पूजने वाले है, दधीचि को मानने वाले है, दधीचि जन्म महोत्सव मनाने वाले है, हम सभी दधीचि कुल के है उनके वंशज है तो हम सभी के लिए हजारों हजारों गुना सौभाग्यशाली होना है, क्योंकि हम ब्रह्म के अंश के साथ हम दधीचि वंश के है, दधीचि जन्म उत्सव को मानने का सौभाग्य हम सभी गु र व समाज के लोगो को मिला है, हम उन दधीचि जी का जन्म उत्सव मना रहे है जो दक्ष प्रजापति के विशाल यज्ञ के आयोजन के मुख्य पुरोहित थे, जो शिवजी की बारात के प्रमुख प्रभारी थे, जिनके द्वारा सती के शरीर के अंगों को 51 शक्तिपीठ के रूप में इस देश में स्थापित किया था, जिनके आश्रम में भगवान गणेश जी ओर कर्तिकजी शिक्षा ग्रहण करते थे, जिन्होंने महामृत्युंजय मंत्र ॐ त्र्यंबकं यजामहे, ,,, महामंत्र को सिद्ध कर लिया था, हम उन दधीचि महाराज का जन्मोत्सव मना रहे है जिन्होंने अनेकों सिध्दियां प्राप्त कर अपार शक्ति अपने शरीर में समाहित कर ली, जिनके शरीर की रोम रोम शक्ति पुंज था, ओर एक सहज निवेदन पर लोक कल्याण के लिए अपने शरीर को दान देने की हामी भर दी और अपनी सारी शक्तियों को अपने शरीर की हड्डियों में उतार कर देह दान कर दिया और उन हड्डियों से एक शस्त्र बना देवराज इन्द्र ने वृता सुर नामक असुर का वध किया था और दधीचि के बाद कोई भी ऐसा देह दानी आज तक नहीं हुआ है। हम सभी हर वर्ष दधीचि जन्म उत्सव को मना कर परम शिव भक्त दधीचि महाराज और महादेव का आशीष प्राप्त कर अपने जीवन का कल्याण कर रहे है।

धर्म उच्चतम प्रार्थना

संत राजिन्दर

प्रार्थना परमात्मा से बात करने का सबसे प्रभावशाली तरीका है। लोग कई प्रकार की प्रार्थनाएं करते हैं। कुछ लोग संसार की वस्तुओं को पाने के लिए प्रार्थना करते हैं। उदाहरण के लिए, एक बढ़िया नौकरी मिले। नया घर या नई कार मिले। कुछ लोग अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करते हैं कि वे और उनका परिवार शारीरिक रूप से स्वस्थ हो जाएं। कुछ अपने निजी संबंधों को बेहतर बनाने की प्रार्थना करते हैं। ज्यादातार लोग संसार की वस्तुओं के लिए प्रार्थना करते हैं। आमतौर पर जब हम प्रार्थना करते हैं, तब प्रभु से पूछते हैं कि क्या वे हमें वह सब देंगे? जब हम प्रार्थना करते हैं, हम हमेशा उन वस्तुओं को पाने की कोशिश करते हैं, जो हमें लगता है कि हमें मदद करेंगी। इस समय हमारे जीवन की सबसे बड़ी तस्वीर के बारे में हमारी जानकारी सीमित है। हमें लगता है, हम जो मांग रहे हैं वह हमें तमाम उम्र मदद करेगा परन्तु हो सकता है वह हमारे जीवन भर के लिए सही योजना न हो। जब हम प्रार्थना करते हैं और मनवांछित चीज पा भी लेते हैं, किंतु कुछ समय बाद देखते हैं कि वह अधिक समय के लिए हमारे लिए उपयुक्त नहीं है। इसलिए प्रार्थना करने का सही तरीका है कि प्रभु जो चाहे, वही हमारे जीवन में हो। प्रभु प्रत्येक और हर चीज जो हमारे साथ हो रही है, से वाकिफ हैं। प्रभु जानते हैं कि हमारे लिए क्या बेहतर है। उदाहरण के लिए हम सोच सकते हैं कि हमारे लिए एक करोड़ की लाटरी जीतना बेहतर हो सकता है यद्यपि थोड़े समय पश्चात हम यह अनुभव करते हैं कि रुपये मिलने के बाद दो अलग चीजों हो सकती हैं। हो सकता है कि इतनी बड़ी धनराशि मिलने का बाद हम रंगरलियों में खो जाएं और प्रभु को भूल जाएं अथवा हमारे सभी दोस्त उसका एक हिस्सा चाहें और अगर हम उन्हें ना करेंगे तब अपने दोस्तों को खो देंगे और हमारी जिंदगी तनहा हो जाएगी। हम अपने सीमित नजरिये के अनुसार जो हमारे लिए अच्छा है, मांगते हैं, किंतु अगर हम प्रभु के ऊपर छोड़ दें कि वे हमें वह दें, जो हमारे लिए बेहतर हो तब हम सच्ची प्रार्थना कर रहे हैं। प्रार्थना का उच्चतम प्रकार है, प्रभु को जानना और उससे एकमेक होना। चाहे अन्ये प्रार्थनाएं सच्ची हो सकती हैं, किंतु वे अक्सर कुछ प्राप्त करने के लिए की जाती हैं, जो हमारे भौतिक अस्तित्व को कायम रखने में सहायक होती हैं।

कोई व्यक्ति पूरी दुनिया में कहीं भी जन्मे रहे वो अपने जीवन काल में अगर एक बार भी भारत आया हो और यहां की मिट्टी, हवा पानी, में कुछ दिन बिताए तो यह उसके भाग्य की बात है लेकिन जो इस भूमि पर ही जन्मा हैं यही रह रहा है वो व्यक्ति सौभाग्यशाली होता है। ओर आप और हम सभी सौभाग्यशाली ही है क्योंकि आप हम सभी भारतवासी है। ओर एक बात कहना चाहूंगा के भारत में जन्म लेना ओर यही पर रहना इस बात को भी प्रमाणित करता है के हम सभी उस परमेश्वर की नजदीकी में है, उसकी नजर में है हम उसके आंगन में है।

विचार मंथन

मिट्टी की उर्वरता कम

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

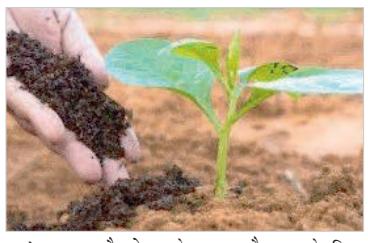

रासायनिक खाद के लगातार इस्तेमाल ने मिट्टी की उर्वरता तो घटा ही दी, बल्कि करोड़ों हेक्टेयर जमीन को भी बंजर बना डाला। दुनिया भर में रेगिस्तानी क्षेत्र तेजी से फैल रहे हैं। मिट्टी की उर्वरता भी कम होती जा रही है। ऐसे में निर्जन रेगिस्तान में जीवन कैसे वापस लाया जाए, यह एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। आकलन बताते हैं कि इस सदी के मध्य तक धरती की एक चौथाई मिट्टी मरुस्थलीकरण से प्रभावित होगी। यह एक चिंताजनक पहलू है, लेकिन हालात और बिगड़ने के पहले ही स्थिति को संभालने के लिए यदि आगे आया जाए, तो इस विकट संकट से बचा जा सकता है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बचे गोला-बारूद की रासायनिक सामग्रियों को एनपीके खाद और कीटनाशक बना कर बेचने के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने दुनिया भर में कारोबार खड़ा कर लिया था। इस कारोबार में कंपनियों को भारी मुनाफा होने लगा था और बाजार में इनकी जड़ें भी मजबूत हो चली थीं। ज्यादातर किसान इन कंपनियों द्वारा बनाई खादों पर इस कदर निर्भर होते गए कि इन खादों के बिना कोई फसल उगाते ही नहीं। भारत और एशियाई देशों में औद्योगिक क्रांति के बाद हरित क्रांति की शुरुआत हुई। रासायनिक खादों और कीटनाशकों का प्रयोग कई तरह की समस्याएं पैदा करता है। जमीन में जो जहरीलापन बढ़ता जा रहा है, वह कई बीमारियों का कारण बन रहा है। इससे मिट्टी में पाए जाने वाले तत्वों का संतुलन भी बिगड़ गया है। इससे किसान नई-नई समस्याओं से घिरते जा रहे हैं। अब केंद्र सरकार ने नीम के लेप वाली यूरिया को रासायनिक खाद का विकल्प बताया है। लेकिन इस संबंध में यह जानना जरूरी है कि इसके इस्तेमाल से मिट्टी और जीव-जंतुओं पर कितना बुरा असर पड़ रहा है। मिट्टी को लेकर हुए शोधों से सामने आया है कि इसमें नाइट्रोजन, पोटेशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, मैग्नीशियम, सोडियम, कार्बन, ऑक्सीजन व हाइड्रोजन थोड़ी मात्रा में रहना चाहिए। लेकिन न्यून मात्रा में इसमें लोहा, गंधक, सिलिका, क्लोरीन, मैगनीज, जिंक, कोबाल्ट, मोलिब्डेनम, तांबा, बोरान और सेलेनियम की मौजूदगी भी जरूरी है। गौरतलब है कि कुदरत अपने हिसाब से इन तत्वों की भागीदारी तय करती है, पर इंसान की गतिविधियों की वजह से इन सारे तत्वों का संतुलन गड़बड़ा गया है। दिलचस्प बात है कि मिट्टी में नाइट्रोजन कार्बनिक रूप में भी रहती है और अकार्बनिक रूप में भी। कार्बनिक पदार्थों के सड़ने से अमोनियम के साथ जीवाणु क्रिया करते हैं। अंततः जीवाणुओं से एंजाइम का निर्माण होता है। दूसरे तत्वों की भी खास भूमिका है। कैल्शियम पौधे के तने को मजबूत करता है, तो फास्फेट फूल और फल के लिए लाभदायक होता है। मैग्नीशियम क्लोरोफिल बनाने की प्रक्रिया में मदद करता है। हाइड्रोजन और ऑक्सीजन पौधों को मिट्टी में समाए हुए पानी से मिलता है। इन प्राकृतिक तत्वों के आधार पर ही तय होता है कि मिट्टी कैसी है। ज्यादा अम्लता व ज्यादा क्षारीयता, दोनों ही पौधों के लिए नुकसानदायक होते हैं। ऐसे में जरूरी है कि जिन कारणों से जमीन बंजर हो रही है, उन कारणों पर गौर किया जाए और जमीन की उर्वरता बढ़ाई जाए। भारत में मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों में कमी चार दशकों से ज्यादा पाई गई। शुरुआत में नाइट्रोजन की कमी थी, लेकिन कटाव, जलभराव, बहुत अधिक कीटनाशकों व रासायनिक खादों का प्रयोग और एक फसल चक्र में जरूरत से ज्यादा फसलों को उगाने जैसे तमाम कारणों की वजह से मिट्टी की उर्वरता घटती गई। हालात यह हो गई कि रासायनिक खादों और कीटनाशकों के इस्तेमाल के बावजूद अच्छी पैदावार नहीं हो पा रही है।

चुनौती

और अब बड़ी चुनौती बना तिरंगे का 'सम्मान'

(लेखक- दीपिका अरोड़ा)

आज़ादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर विगत 13 से 15 अगस्त तक राष्ट्रव्यापी स्तर पर घर घर तिरंगा फहराने का एक व्यापक अभियान चलाया गया। तिरंगा यात्रायें तो अभी भी कहीं न कहीं निकाली जा रही हैं। चूँकि स्वयं प्रधानमंत्री ने घर घर तिरंगा फहराने की अपील की थी इसलिये सरकार के लगभग सभी मंत्रालय व राज्य सरकारें इस अभियान में सक्रिय रहीं। घर घर तिरंगा अभियान के दौरान तमाम तरह की बातें,अंतर्विरोध, 'प्रवचन',सुनने को भी मिले। जहां सत्ताधारियों द्वारा इस अभियान में शिरकत करने को ही राष्ट्रभक्ति का पैमाना बताया गया वहीं अतीत में तिरंगे की स्वीकार्यता व अस्वीकार्यता से जुड़े कई गड़े मुर्दे भी उखाड़े गये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो तिरंगे का गुणगान करते हुये कहा कि - 'भारत के तिरंगे में केवल तीन रंग नहीं हैं, बल्कि हमारा तिरंगा हमारे अतीत के गौरव, वर्तमान के लिए हमारी प्रतिबद्धता और भविष्य के हमारे सपनों का प्रतिबिंब है। हमारा तिरंगा भारत की एकता, अखंडता और विविधता का प्रतीक है।' पिछले दिनों सूरत में एक तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुये प्रधानमंत्री ने कहा कि 'हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने तिरंगे में देश का भविष्य व उसके सपने देखे थे और उन्होंने इसे कभी किसी भी तरह झुकने नहीं दिया। परन्तु तिरंगे की इतनी महत्ता बताने के बावजूद घर घर तिरंगा अभियान के किसी झंडाबरदार के मुंह से इसे फहराने के साथ साथ इसके मान सम्मान व इसकी संहिता के बारे में प्रवचन देते नहीं सुना गया। किसी को यह कहते नहीं सुना गया कि तिरंगा खादी के कपड़े का ही होना चाहिये, गुजराती सिल्क या चाइनीज़ पॉलिस्टर का नहीं। किसी ने यह नहीं बताया कि इन राष्ट्रीय ध्वज को कब और किस प्रकार से सस्सम्मान उतारना भी है। केवल इसके सम्मान से जुड़े भावनात्मक क़िस्से ज़रूर सुनाये गये। यह विवाद ज़रूर सामने आये कि स्वतंत्रता आंदोलन के समय किस विचारधारा के लोगों ने तिरंगे को राष्ट्रीय ध्वज स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। और वही लोग आज इसे न केवल स्वीकार करते दिखाई दिये बल्कि इसी राष्ट्रीय तिरंगे झण्डे के समक्ष नत मस्तक होते भी दिखाई दिये। परन्तु अफ़सोस तो यह कि न तो स्वयं को तिरंगे का उत्तराधिकारी बताने वालों ने तिरंगे की संहिता पर कोई चर्चा की और तिरंगे के नये नवेले संरक्षकों से तो खैर इसकी उम्मीद ही क्या करनी ? यहां तक कि केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों ने जिन्होंने अपने कर्मचारियों के घरों पर झंडा फहराने से लेकर आसपास के घरों में भी झंडारोहण करने हेतु लोगों को प्रेरित करने के निर्देश दिये थे उन्होंने भी इन झण्डों को सस्सम्मान उतारने,इसे सहेज कर रखने व इसे क्षतिग्रस्त होने से बचाने संबंधी कोई निर्देश नहीं दिया। राष्ट्र प्रेम में सराबोर भारतवासियों के घरों पर फहरा रहे यह तिरंगे राष्ट्रीय ध्वज अब क्षतिग्रस्त होने लगे हैं। उनका इतना दुरुपयोग हो रहा है जिन्हें शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। कोई कमर में गमछे की तरह लपेटे घूम रहा है तो कोई अपने बैठने का आसन बनाये हुये है। कोई पोछे की तरह इस्तेमाल कर रहा है तो कोई रूमाल की तरह इस्तेमाल कर अपने मुंह का पसीना पोछता नज़र आ रहा है। हद तो यह है कि बड़ी संख्या में तिरंगे कूड़े के ढेर में पड़े नज़र आने लगे हैं। वैसे तिरंगे के सम्मान की एक बानगी तो उसी समय सामने आई थी जब हरियाणा के करनाल में नगरपालिका की कूड़ा उठाने वाली एक गाड़ी पर एक सफ़ाई कर्मचारी बहुत सारे तिरंगे झंडे इकट्ठे रखकर झण्डे बांटता दिखाई दिया था। अभी भी आये दिन मीडिया के माध्यम से तिरंगे के अपमान से जुड़ी अनेक ख़बरें कहीं न कहीं से आती रहती हैं। उल्टे सीधे झण्डे की तमीज़ न कर पाना यानी केसरिया पट्टी ऊपर होगी या हरी, यह तो आम बात है। इसी तिरंगा अभियान के दौरान भी कई जगह इसतरह की ग़लतियाँ दोहराने के समाचार मिले। बहरहाल, ऐसे में जबकि सत्ता व सरकारों अथवा प्रशासन की ओर से इस विषय पर कोई संज्ञान नहीं लिया जा रहा है इसलिये अब यह देशवासियों का कर्तव्य है कि वे अपने व अपने पड़ोसियों के घरों दुकानों व कार्यालयों पर जहाँ कहीं तिरंगे राष्ट्रीय ध्वज फहरा रहे हों उन्हें वे सस्सम्मान उतारें व उन्हें तह करके सुरक्षित रखें ताकि अगले वर्ष स्वतंत्रता दिवस अथवा गणतंत्र दिवस के अवसर पर उन्हें पुनः फहराया जा सके। तेज़ हवा,बारिश,धूप मिटटी में फटने से पहले इन झण्डों को आदर व सम्मान सहित उतार लेना चाहिये। जो लोग अज्ञानतावश राष्ट्रीय ध्वज का दुरुपयोग या अपमान करते दिखाई दें उन्हें प्यार से समझा बुझाकर ऐसा करने से रोकें तथा तिरंगे की अहमियत व इसके आदर व सम्मान के विषय में बतायें। उन्हें यह भी बतायें कि तिरंगे का अर्थ है देश के संविधान का सम्मान, तिरंगा यानी सांप्रदायिकता व जातिवाद मुक्त भारत।

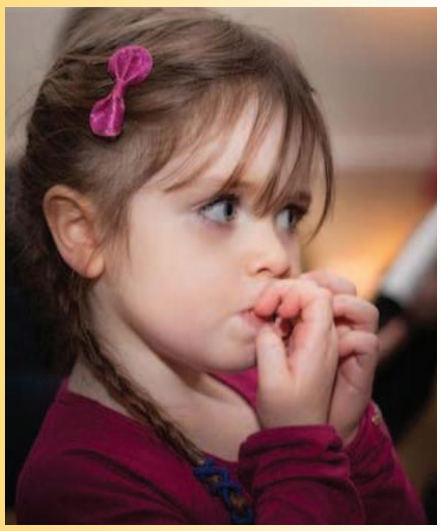

बच्चे की नाखून चबाने की आदत ऐसे होगी दूर

कई बार देखा गया है कि बच्चों को जाने-अनजाने नाखून चबाना, दांत पीसना या बेवजह पैर हिलाने की आदत पड़ जाती है। अभिभावक इसे मामूली समझ नजरअंदाज कर देते हैं, जोकि सही नहीं है। मगर, लंबे समय तक ऐसा करने से सेहत को नुकसान होता है। चलिए हम आपको बताते हैं कि बच्चों में स्टिमिंग का आदत को कैसे कंट्रोल कर सकते हैं।

बच्चों में नाखून चबाना, बालों को घुमाना, पैर-हाथ हिलाने की आदतों को इन आदतों को ऑटिज्म से जुड़ा माना जाता है। हालांकि अगर समय रहते अभिभावक कुछ उपाये करें तो उनकी ये आदतें छुड़वाई भी जा सकती है।

इसने कई प्रकार के नुकसान होते हैं।

- गंदगी से भरे नाखून जब मुंह में जाते हैं तो इससे बच्चों को इंफेक्शन, दांत कमजोर, मसूड़ों की बीमारियां, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इंफेक्शन्स , डायरिया और पेट दर्द की समस्या हो सकती है।
- पैर हिलाने की आदत से लगातार पैरों में दर्द व सनसनी, खिंचाव, भारीपन, , कमजोर मांसपेशियां और पैरों में चुभन महसूस होने लगती है। वहीं, इससे जोड़ कमजोर और ब्लड सर्कुलेशन बिगड़ने का डर भी रहता है।
- लंबे समय तक उंगलियां चटकाने से गठिया रोग की समस्या भी हो सकती है। दरअसल, ये हड्डियां एक दूसरे से जुड़ी होती है और उंगलिया चटकाने से इनके बीच मौजूद द्रव कम होता जाता है, जिससे बच्चे इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं।

नाखून चबाने की आदत

बच्चों की उंगलियों में नीम या लौंग का तेल लगा दें। इसका स्वाद कड़वा होता है, जिससे बच्चे की नाखून चबाने की आदत छोड़ देती है।

बच्चों को व्यस्त रखें। उनसे ड्रांइग करवाएं या हाथों की कोई भी एक्टिविटी करवाएं। अगर बच्चे पढ़ते या टीवी देखते समय ऐसा करते हैं तो उन्हें खानपान में व्यस्त रखें ।

पैर हिलाने पर तुरंत टोकें

जैसे ही बच्चे पैर हिलाने लगे तो उन्हें तुरंत टोक दें। आपके बार-बार ऐसा करने से उनकी आदत दूर हो जाएगी। हो सकता है बच्चा ऐसा स्ट्रेस की वजह से कर रहे हों। ऐसे में उन्हें तनावमुक्त रखने के लिए फिजिकल एक्टिवीटी ज्यादा करवाएं और उन्हें व्यस्त रखें।

योग से दूर होगा स्ट्रेस

आपका बार-बार बालों से खेलता है तो उन्हें टोक दें और समझाएं कि ये गलत है। शुरु से ही बच्चे को तनाव मुक्त और रखने के लिए योगा करवाएं।

कोरोना महामारी के इस दौर में अगर आप अपने बच्चे को सेहतमंद रखने के साथ ही उसकी रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ाना चाहते हैं तो उसे बचपन से ही पौष्टिक चीजें खाने की आदत डालें। बच्चों की अच्छी सेहत के लिए उनके खाने में पौष्टिक चीजें शामिल करने से उनका शारीरिक व मानसिक विकास भी बेहतर तरीके से होता है। ऐसे में अक्सर अभिभावक इस बात से परेशान रहते हैं कि आखिर बच्चों को किस प्रकार का आहार देना चाहिये। अगर आप भी इसी समस्या से परेशान है तो यह जानकारी आप के लिए लाभदायक साबित हो सकती है। कुछ आहार ऐसे हैं जिनसे बीमारियों से बचाव के साथ ही रोग प्रतिरोधक शक्ति भी बढ़ती है।

बच्चों को सेहतमंद रखेंगे ये पौष्टिक आहार

शकरकंद

इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने के साथ बीमारियों से भी बचाव रहता है। फाइबर की मात्रा अधिक होने से इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ऐसे में आप चाहे तो इसे बच्चे को 6 महीने का होने के बाद खिला सकते हैं। यह बच्चे के लिए बेस्ट आहार माना जाता है।

दलिया

बच्चों के बेहतर विकास के दलिया एक संपूर्ण आहार माना जाता है। फाइबर, आयरन और अन्य जरूरी तत्वों से भरपूर दलिया का सेवन करने से बच्चे को सही वजन मिलता है। आप इसे नमकीन, दूध वाला या पेनकेक की तरह बना कर बच्चे को खिला सकते हैं।

गाय का दूध

एक साल से छोटे बच्चे के लिए मां का दूध ही संपूर्ण आहार होता है। मगर आपका बच्चा एक साल से बड़ा है तो उसे रोजाना 3 बार गाय का दूध पिलाएं। इससे उसे सभी उचित तत्व मिलने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा।

केला

विटामिन, कैल्शियम, फाइबर, पोटेशियम आदि से भरपूर केले का सेवन करने से अंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही इसमें फाइबर अधिक होने से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। ऐसे में वजन भी कंट्रोल में रहता है। अगर बच्चा केला खाने से मना करें तो आप उसे इससे मफीन, पैन केक या बनाना शेक बना कर दे सकते हैं।

पौष्टिक गुणों से भरपूर आड़ू का सेवन करने से बच्चे का विकास बेहतर तरीके से होता है। इसके सेवन से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है। आप इससे शेक, फ्रूट चाट, स्मूदी के तौर पर बच्चे को दें सकते हैं।

नाशपाती

नाशपाती में विटामिन, फाइबर, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं। आयरन अधिक मात्रा में होने से यह शरीर में खून की कमी पूरा करने में मदद करता है। साथ ही मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है।

घी

घी का सेवन करना मां और बच्चा दोनों के लिए फायदेमंद होता है। इससे रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने से बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है। मगर बच्चे को इसे हजम करने में मुश्किल न आए ऐसे में उसे कम मात्रा में ही खिलाएं।

मटर

इसमें विटामिन, कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस आदि अधिक मात्रा में होते हैं। आप बच्चों को मटर का सूप, खिचड़ी या सब्जी के रूप में खिला सकते हैं। इससे बच्चे का शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलती है।

चीज़

आप अपने 8 महीने के बच्चे को चीज खिला सकते हैं। इसमें फास्फोरस, कैल्शियम अधिक होने से बच्चे की ग्रोथ बेहतर तरीके से होती है। आप इसे सीधा या सलाद में मिलाकर खिला सकती है।

सूखे मेवे

बच्चे की ग्रोथ के लिए उसकी डाइट में सूखे मेवे शामिल करना बेस्ट ऑप्शन है। आप इसे रातभर भिगो कर या पाउडर बनाकर बच्चे के दूध में मिलाकर पिला सकते हैं। इसके अलावा इसके लड्डू या बर्फी में मिलाकर भी इसे खिलाया जा सकता है। मगर हैवी होने के चलते इसे बच्चे को हफ्ते में 2 बार ही खिलाएं।

हैल्दी ड्रिंक्स

आप घर ही साबुत अनाज, दालों को मिक्सी में पीसकर मल्टीग्रेन पाउडर तैयार कर सकते हैं। इस पाउडर को दूध में मिलाकर पीने से बच्चे को सभी जरूरी तत्व आसानी से मिल जाएंगे।

आलू

6 महीने बाद बच्चों को आलू उबाल कर खिलाना फायदेमंद होता है। इससे बच्चे की ग्रोथ अच्छे से होने के साथ बीमारियों से बचाव रहता है। आप आलू को खिचड़ी, सूप, उबालकर आदि तरह बच्चे की डाइट में शामिल कर सकते हैं।

बच्चों को यातायात के नियम भी बताएं

स्कूल और घर में ज्यादा दूरी ना होने के कारण बच्चे अकेले ही वहां चले जाते हैं। ऐसे में हमें उन्हें यातायात के सुरक्षा नियमों की जानकारी देनी चाहिये ताकि बच्चे सुरक्षित रूप से स्कूल आ जा सकें। ध्यान रखें कि आपके बच्चे एक ही रूट से प्रतिदन आएं-जाएं और वह रास्ता सुरक्षा की दृष्टि से भी सही होना चाहिए। उन्हें ऐसे रास्ते से भेजें जिसमें सड़क पर कम-से-कम क्रासिंग हो ताकि उन्हें बार-बार सड़क पार ना करनी पड़ी।

किसी भी तरह का गैजेट जैसे मोबाइल, वीडियो गेम, टैबलेट एवं आई पैड इत्यादि उन्हें देने से बचें ताकि बच्चे सड़क पर फोन पर बात करते हुए, गाने सुनते हुए या गेम खेलते हुए किसी दुर्घटना का शिकार ना हों।

अपने बच्चों को सुरक्षा नियमों का पालन करने को कहें। चाहे वे पैदल जाते हों या वैन एवं बस में उन्हें पता होना चाहिए कि वैन में कैसे बैठना है। यदि आगे की सीट पर बैठ हैं तो बैल्ट लगा कर बैठें। सड़क पार कर रहे हैं सिग्नल देख कर करें। अपने बच्चों को लाल, हरी और पीली बत्ती का फर्क समझाएं।

दस साल से कम उम्र के बच्चों के साथ किसी बड़े का होना जरूरी है। उन्हें कभी भी सड़क पर अकेले ना छोड़ें। जब तक कि उनमें सड़क नियमों को समझने की परिपक्वता ना आ जाएं।

अपने बच्चों को अजनबियों से सावधान रहने को कहें। उन्हें समझाएं किसी भी अजनबी से कोई भी उपहार, टॉफी या खाने की चीज ना लें और ना ही उनके साथ कहीं जाएं।

बच्चों को समझाएं कि सड़क के किनारे से सिग्नल को देखकर और जेब्रा क्रासिंग पर ही सड़क पार करें।

बच्चों को बताएं कि बस से उतरने के बाद हमेशा उसके सामने से ही जाएं ताकि ड्राइवर उन्हें जाते हुए देख सके।

कभी भी सड़क पर मस्ती-मजाक करते हुए दौड़ ना लगाएं। कार पार्किंग के बीच में ना भागें।

बच्चों को अपने मोबाइल और घर के नंबर, घर का पता, स्कूल का पता याद करवा दें ताकि जरूरत पड़ने पर या किसी मुसीबत में वे आपसे संपर्क कर सकें।

यदि आपके बड़े बच्चे बाइक, स्कूटर या स्केट बोर्ड से स्कूल जाते हैं तो उन्हें हैलमेट पहनने को जरूर कहें। उनकी सुरक्षा करने के लिए ध्यान दें कि वे इसका पालन कर रहे हैं या नहीं।

बच्चों को बताएं गुड और बैड टच में अंतर

जिस प्रकार आजकल मासूम बच्चों के साथ अपराध बढ़ रहे हैं उससे अभिभावकों का चिंतित होना लाजिमी है। बच्चों को घर के अंदर बंद तो नहीं रखा जा सकता। ऐसे में उन्हें किसी भी अप्रिय घटना से बचने के तरीके समझाना जरुरी है क्योंकि हाल के दिनों में स्कूलों में भी बच्चों के साथ कई हादसे हुए हैं।

बच्चों को सतर्क करना इसलिए जरुरी हैं क्योंकि बच्चे बहुत ज्यादा भोले और मासूम होते हैं। उनको अच्छे और बुरे की कोई समझ नहीं होती। जो भी उनको प्यार से बुलाता है वह उसको अपना समझने लगते हैं। उस व्यक्ति के साथ प्यार से बात करने लगते हैं। कई बार तो बच्चे अनजान इंसान के साथ भी चले जाते हैं। बच्चे मन के साफ होते हैं वह समझ नहीं पाते कि किसी के दिमाग में क्या है। ऐसे में मां-बाप को चाहिए कि वह अपने बच्चों को गुड और बैड टच के बारे में जरूर बताएं। ताकि वह किसी यौन शोषण का शिकार ना हो पाएं।

बताएं क्या है बैड टच और गुड टच

बच्चों को नहीं पता कि गुड टच और बैड टच क्या होता है। इसलिए आप उन्हें ना सिर्फ इसके बारे में बताएं बल्कि उन्हें समझाने की कोशिश करें, ताकि वो आसानी से समझ सके। बच्चों को बतायें कि कोई भी अनजान उनके करीब आने का प्रयास करे तो दूर हो जायें और अगर वह उन्हें जबरदस्ती पकड़े तो शोर मचाकर लोगों को बतायें। किसी अनजान की बातों में न आयें और न ही खाने पीने का सामान लें। कोई लालच दे तो भी इंकार कर दें।

तेज दिमाग के लिए बच्चों को एनर्जी ड्रिंक

अगर आप का बच्चा भी जल्दी भूल जाता है और इससे उसे पढाई में भी परेशानी आती है तो इसमें पोषण की कमी हो सकती है। कई बार संतुलित आहार या किसी तत्व की कमी से भी ऐसा होता है। इसका कारण यह भी है कि बच्चे खाने- पीने में बहुत ही आनाकानी करते हैं। ऐसे में उन्हें सही पोषण न मिलने के कारण दिगाम का विकास ठीक से नहीं हो पाता। ऐसे में बच्चों को ड्राई फ्रूट्स से एक एनर्जी ड्रिंक बनाकर दें। प्रतिदिन इस एनर्जी ड्रिंक का सेवन करने से बच्चे की यददाश्त बेहतर होने के साथ ही उसका दिमाग भी तेज होगा। एनर्जी ड्रिंक के लिए खरबूजे के बीज, हरी इलायची, बादाम, खसखस, सौंफ और काली मिर्च को मिलाकर बनाया जा सकता है।

ड्राई फ्रूट्स से तैयार इस ड्रिंक को पीने से बच्चे को सभी उचित तत्व आसानी से मिल जाएंगे। इससे उसके शरीर व दिमाग का बेहतर तरीके से विकास होने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा। आप इसे बच्चों को सुबह और शाम को भूख लगने पर पिला सकती है। इससे मिलेंगे ये फायदे

तेज दिमाग

ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर अखरोट का सेवन करने से दिमाग का विकास अच्छे से होगा। ऐसे में स्मरण शक्ति बढ़ने में मदद मिलेगी।

खून की कमी होगी दूर

सूखे मेवों से तैयार इस ड्रिंक को पीने से शरीर को भरपूर मात्रा में आयरन मिलेगा। ऐसे में खून की कमी पूरी होगी। साथ ही थकान व कमजोरी की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। शरीर दिनभर एनर्जेटिक रहेगा।

आंखों के लिए फायदेमंद

विटामिन-ए का उचित स्त्रोत होने से आंखों की रोशनी बढ़ने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा भी कम रहेगा।

रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ेगी

इस हेल्दी ड्रिंक का सेवन करने से बच्चे की इम्यूनिटी स्ट्रांग होगी। ऐसे में बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहेगा। साथ ही बच्चे में सुस्ती व कमजोरी दूर हो ताकत आएगी। इसतरह आपका बच्चा दिनभर एनर्जेटिक महसूस करेगा।

सही वजन दिलाए

रोजाना इस ड्रिंक के 1-2 गिलास बच्चे को जरूर पिलाएं। इससे बच्चों का दुबलापन दूर हो उन्हें सही वजन मिलने में मदद मिलेगी।

मजबूत हड्डियां

इसके सेवन से विटामिन, कैल्शियम की कमी पूरी होगी। ऐसे में बच्चे के मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी। साथ ही बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलेगी।

कब्ज से राहत

इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होने से कब्ज की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। पेट अच्छे से साफ हो बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलेगी।

बेहतर पाचन तंत्र

सूखे मेवे विटामिन, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होते हैं। ऐसे में इस ड्रिंक का सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत होने में मदद मिलती है। इससे अपच, पेट दर्द, एसिडिटी की परेशानी से राहत मिलती है.

लगातार दूसरे सप्ताह सोने में गिरावट, चांदी भी कमजोर

- सोने की कीमतों में 600 रुपए से ज्यादा जबकि चांदी में करीब 2000 रुपए तक की गिरावट रही

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव के बीच सोने एवं चांदी की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। एक वेबसाइट के अनुसार 29 अगस्त से 02 सितंबर तक के कारोबारी सप्ताह में सोने एवं चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। वेबसाइट के मुताबिक 29 अगस्त से 02 सितंबर के बीच सोने की कीमतों में 600 रुपए से ज्यादा जबकि चांदी में करीब 2000 रुपए तक की गिरावट देखने को मिली। 29 अगस्त (सोमवार), 2022 को स्पॉट मार्केट में 24 कैरेट सोने का भाव 51,265 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा था रुपए वेबसाइट के मुताबिक 30 अगस्त को सोना 77 रुपए की भाव कमी के साथ 51,188 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। 31 अगस्त को गणेश चतुर्थी के अवसर पर सर्राफा बाजार बंद रहा था। एक सितंबर को 24 कैरेट सोने का भाव 779 रुपए टूटकर 50,409 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। हालांकि, दो सितंबर को 175 रुपए की तेजी के साथ स्पॉट मार्केट में सोना 50,584 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया। इस तरह पूरे एक सप्ताह में सोने की कीमत में 681 रुपए की गिरावट देखने को मिली। सप्ताह के पहले कारोबारी सत्र में 22 कैरेट वाले सोना 51,060 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार रहा था। 30 अगस्त को 22 कैरेट सोना 77 रुपए की कमी के साथ 50,983 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। वहीं, एक सितंबर को यह 776 रुपए की टूट के साथ 50,207 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। दो सितंबर को यह 174 रुपए की तेजी के साथ 50,381 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इस तरह सप्ताह में में 22 कैरेट सोना में कुल 679 रुपए प्रति 10 ग्राम की गिरावट दर्ज की गई। वहीं 29 अगस्त, को स्पॉट मार्केट बंद होने के समय चांदी की कीमत 54,316 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी। 30 अगस्त को यह 34 रुपए चढ़कर 54,350 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। एक सितंबर को चांदी की कीमत 2,328 रुपए की भारी टूट के साथ 52,022 रुपए प्रति किलोग्राम पर रह गई। हालांकि, दो सितंबर को इसमें 450 रुपए प्रति किलोग्राम की तेजी देखने को मिली और इसकी कीमत 52,472 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। इससे एक सप्ताह में चांदी की कीमत में 1,844 रुपए की गिरावट देखने को मिली।

दीवाली तक 46,000 तक हो सकता है सोना?

नई दिल्ली । देश मे गणेश चतुर्थी के साथ ही त्योहारी सीजन की शुरुआत हो जाती है। त्योहारी सीजन में सोना खरीदना काफी शुभ माना जाता है। पिछले साल धनतेरस पर 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव 56,500 रुपए प्रति 10 ग्राम था। दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने के दाम 50,729 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। इस तरह पिछले धनतेरस के मुकाबले सोने का भाव फिलहाल काफी नीचे आ गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार सर्राफा बाजार में सोने का भाव 46,000 रुपए तक आ सकता है। जानकारों का कहना है कि वैश्विक और घरेलू बाजार में फिलहाल कोई ऐसा फैक्टर नजर नहीं आ रहा, जिससे सोने के भाव को सहारा मिले। पहले रूस और यूक्रेन की जंग की वजह सोने के कीमतों में तेजी आई थी, लेकिन अब इस तनाव का असर भी जाता रहा है। यूरोपीय और अमेरिका में मंदी आने की आशंका जताई जा रही है लेकिन अगर मंदी आती भी है तो इसका असर सोने की कीमतों पर नहीं होगा। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना चार सप्ताह के निचले स्तर पर कारोबार कर रहा है। ऐसा भारतीय रुपए के अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर होने की वजह से हुआ है। कॉमेक्स पर भी सोना छह सप्ताह के निचले स्तर पर कारोबार कर रहा है। उनका कहना है कि इस साल सोने की कीमतों में बढ़ोतरी होने की संभावना बहुत कम है। अमेरिकी डॉलर इंडेक्स में मजबूती और बॉन्ड यील्ड बढ़ने से सोने में निवेश घटा है. यह ट्रेंड आगे भी जारी रह सकता है।

सैमसंग ने लांच की फ्लिप और फोल्ड स्मार्टफोन की चौथी सीरीज

-पुराने दिनों से 'भविष्य' तक का सफर

नई दिल्ली ।

कोरियाई कंपनी सैमसंग ने अपने फ्लिप और फोल्ड स्मार्टफोन की चौथी सीरीज लॉन्च कर दी है।मार्केट में इन फोन्स को सेल्स के मामले में कोई कमाल नहीं किया है, लेकिन भविष्य की टेक्नोलॉजी से आपको रू-ब-रू जरूर कराते हैं।ऐसा ही एक फोन नोकिया ने लॉन्च किया है, जिसका डिजाइन फ्लिप वाला ही है।ये फोन आपको पुराने दिनों की याद दिलाएगा।इस आर्किटल में हम इन दोनों फोन्स को सामान्य तरीके से कंपेयर नहीं कर रहे हैं, क्योंकि ऐसा करना बचकाना लग सकता है। हम इस टेक्नोलॉजी के सफर पर बात कर रहे हैं।दोनों ही हैंडसेट में हिंज, डुअल स्क्रीन और फ्लिप जैसी कुछ चीजें कॉमन हैं।आइए जानते हैं इन फोन्स के डिजाइन और कॉन्सेप्ट से जुड़ी कुछ खास बातें।बात सबसे पहले नए फोन की करते हैं, जो नया होकर भी पुराना है और कम कीमत वाला है।चर्चा नोकिया 2660 फ्लिप 4जी की हो रही है, जो 4,699 रुपये की कीमत पर लॉन्च हुआ है।इस हैंडसेट में भी आपको एक हिंज, फ्लिप फोन वाला डिजाइन और डुअल स्क्रीन मिलती है.फोन में 1.77-इंच का क्यूक्यूवीजीए एक्सटर्नल डिस्प्ले दिया गया है।इसमें 2.8-इंच का मेन डिस्प्ले मिलता है, जो हिंज के सहारे फोन से जुड़ा हुआ है।इसमें एक सिंपल हिंज मिलता है, जो पुराने जमाने के फ्लिप फोन्स में देखने को मिलता था।यानी फोन भले ही नया हो, लेकिन इसका कॉन्सेप्ट पुराना ही है।यही बात इस हैंडसेट को खास भी बनाती है। नोकिया का यह डिवाइस 4G सपोर्ट के साथ आता है।इसमें आप डुअल नैनो सिम कार्ड इस्तेमाल कर सकते हैं।नोकिया 2660 फ्लिप में यूनीसोक टी107 प्रोसेसर दिया गया है।इसमें माइक्रो एसडी कार्ड का सपोर्ट मिलता है।डिवाइस को पावर देने के लिए 1450एमएएच की बैटरी दी गई है.अब बात करते हैं उस फ्लिप फोन की, जो स्मार्टफोन इंडस्ट्री का भविष्य हो सकता है।कंपनी ने तो इसे यही सोचकर लॉन्च किया है। एक कॉन्सेप्ट के रूप में शुरू हुआ यह स्मार्टफोन अपनी चौथी जनरेशन में पहुंच चुका है।इसमें इस्तेमाल हुआ हिंज एक अंडर डिस्प्ले हिंज है, जिसे विसकित करना कंपनी के लिए काफी मुश्किल था।

गौतम अडानी को मिलेगा यूएसआईबीसी का वैश्विक नेतृत्व पुरस्कार

नई दिल्ली ।

अमेरिका-भारत व्यापार परिषद (यूएसआईबीसी) ने अडानी समूह के संस्थापक एवं चेयरमैन गौतम अडानी को वैश्विक नेतृत्व पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की है। यूएसआईडीसी ने एक बयान में यह जानकारी देते हुए कहा कि नई दिल्ली में सात सितंबर को होने वाले इंडिया आइडियाज समिट में अडानी को ग्लोबल लीडरशिप अवार्ड दिया जाएगा। यूएसआईबीसी के इस सम्मेलन में विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अमेरिका की ऊर्जा मंत्री जेनिफर ग्रैनहोम के शामिल होने की संभावना है। यह पुरस्कार वर्ष 2007 से ही भारत और अमेरिका के शीर्ष उद्यमियों को द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को सशक्त बनाने की दिशा में किए गए प्रयासों के लिए दिया जाता है। अभी तक यह पुरस्कार अमेजन के प्रमुख जेफ बेजोस, गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, नास्डैक की प्रमुख एडेना फ्रीडमैन, फेडेक्स कॉरपोरेशन के प्रमुख फ्रेड स्मिथ और कोटक महिंद्रा बैंक के प्रमुख उदय कोटक जैसी हस्तियों को दिया जा चुका है।

मोदी सरकार सरोगेट से जुड़े विज्ञापनों पर सख्त

- अब भ्रामक विज्ञापनों पर कठोर कार्रवाई होगी, 10 से 50 लाख तक लग सकता है जुर्माना

नई दिल्ली । मोदी सरकार ने सरोगेट विज्ञापन को लेकर एक बार फिर से विज्ञापन एजेंसियों को चेतावनी जारी की है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम- 2019 के लागू होने के बाद भी सरोगेट विज्ञापन को लेकर लगातार मामले सामने आ रहे हैं। उपभोक्ता मंत्रालय ने कहा है कि विज्ञापन से जुड़ी एजेंसियां केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन नहीं कर रही हैं। एजेंसियों के द्वारा निषिद्ध वस्तुओं का विज्ञापन सरोगेट वस्तुओं और सेवाओं के जरिए किया जा रहा है लेकिन, अब किसी एक विज्ञापन की आड़ में किसी दूसरी चीज का विज्ञापन करना आसान नहीं होगा। इसके लिए सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी (सीसीपीए) ने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस गाइडलाइन के मुताबिक अब भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय का कहना है कि म्यूजिक, सोडा और पैक पेयजल की आड़ में कई मादक स्प्रिट और पेय पदार्थों का विज्ञापन किया जा रहा है। इसी तरह चबाने वाले गुटखा ने सौंफ और इलायची की आड़ ले ली है। साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी मादक पेय पदार्थों के कई विज्ञापन मिले हैं। गौरतलब है कि सीसीपीए ने सरोगेट विज्ञापन पर भी प्रतिबंध लगाया है। यदि विज्ञापनों में दी गई जानकारी प्रोडक्ट में नहीं पाई जाती है तो उन विज्ञापनों को भ्रामक विज्ञापन माना जाएगा। जो विज्ञापन उनके डिस्क्लेमर से भिन्न होते हैं उन्हें भी भ्रामक विज्ञापन माना जाएगा। इसके अलावा यदि कोई सेलिब्रिटी किसी विज्ञापन में कुछ दावा कर रहा है और वह सही नहीं पाया जाता है तो वह विज्ञापन भी भ्रामक विज्ञापन श्रेणी के अंतगर्त माना जाएगा। कोई भी सरोगेट विज्ञापन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष विज्ञापन उन वस्तुओं या सेवाओं के लिए नहीं बनाया जाएगा, जिनका विज्ञापन कानून द्वारा प्रतिबंधित है।

ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना भारत

- भारत का ग्रोथ अनुमान 7 प्रतिशत रखा गया, जो कि दुनिया में सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज है

मुंबई ।

यूरोप में सुस्ती के बीच घरेलू अर्थव्यवस्था की तेज ग्रोथ से भारत शीर्ष पांच अर्थव्यवस्था में शामिल हो गया है। सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत ने ब्रिटेन को पीछे छोड़ दिया है और ब्रिटेन अब छठे पायदान पर है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी डॉलर में की गई गणना के अनुसार भारत ने 2021 की आखिरी तिमाही में यूके को पीछे छोड़ा है। वहीं आईएमएफ के जीडीपी आंकड़ों के मुताबिक 2022 की पहली तिमाही भारत ने अपनी बढ़त और मजबूत की है। अनुमानों के अनुसार इस ग्रोथ के साथ भारत सालाना आधार पर भी जल्द दुनिया की 5वी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। आईएमएफ के द्वारा जारी आंकड़ों और मार्च तिमाही के अंत में डॉलर के एक्सचेंज रेट के आधार पर ब्लूमबर्ग ने जानकारी दी है कि नॉमिनल कैश में भारतीय अर्थव्यवस्था का साइज 854.7 अरब डॉलर था। इसी अवधि में इसी आधार पर यूके की अर्थव्यवस्था का आकार 816 अरब डॉलर था। अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले समय में भारत ब्रिटिश इकोनॉमी के मुकाबले अपनी बढ़त और मजबूत करेगा। दरअसल भारत के लिए ग्रोथ अनुमान 7 प्रतिशत रखा गया है, जो कि दुनिया में सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज है। वहीं दूसरी तरफ यूके की अर्थव्यवस्था में सुस्ती की संभावना जताई जा रही है। इसे देखते हुए आईएमएफ ने अनुमान दिया है कि सालाना आधार पर डॉलर मूल्य में भारत यूके को पीछे छोड़कर पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। सालाना आधार पर भारत की अर्थव्यवस्था 3.17 लाख करोड़ डॉलर की है और यूके से कुछ पीछे ही छठे स्थान पर है। यूके की जीडीपी फिलहाल 3.19 लाख करोड़ डॉलर की है। 7 प्रतिशत की अनुमानित ग्रोथ के साथ भारत के इसी साल यूके को सालाना आधार पर भी पीछे छोड़ने की संभावना है। फिलहाल दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका है जिसके बाद चीन, जापान और जर्मनी की स्थान आता है। भारत की जीडीपी ने बीते 20 साल में 10 गुना बढ़त दर्ज की है।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह सपाट स्तर पर बंद हुए शेयर बाजार

मुंबई ।

पिछले सप्ताह वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों और विदेशी निवेशकों की खरीदारी के बीच घरेलू शेयर बाजार सप्ताह स्तर पर बंद हुए। बीते सप्ताह बुधवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहे। इसे लिए पांच कारोबारी दिनों में से शेयर बाजार में केवल चार दिन कारोबार हुआ। शेयर बाजार में सोमवार, गुरुवार को गिरावट व मंगलवार और शुक्रवार को हल्की तेजी देखी गई। बीते कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 1,220.76 अंक गिरकर 57,613.11 पर खुला और 861.25 अंक की गिरावट के साथ 57,972.62 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 355 अंक गिरकर 17,203.90 पर खुला और 246 अंक नुकसान के साथ 17,312.90 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 1103.11 अंक की तेजी के साथ 59,075.73 पर खुला और 1564.45 अंकों की बढ़त के साथ 59,537.07 पर बंद हुआ। निफ्टी 746.65 अंक की तेजी के साथ 43,520.25 पर खुला और 446.40 अंक मजबूत होकर 17,759.30 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 898.61 अंक गिरकर 58,638.46 पर खुला और 770.48 अंक की गिरावट के साथ 58,766.59 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 273.75 अंक गिरकर 17,485.55 पर खुला और 216.50 अंक टूटकर 17,542.80 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 342.07 अंक चढ़कर 59,108.66 पर खुला और 36.74 अंक की बढ़त के साथ 58,803.33 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 101.05 अंक बढ़कर 17,643.85 पर खुला और 3.35 अंक की मामूली गिरावट के साथ 17,539.45 पर बंद हुआ।

अगस्त में 2 करोड़ करदाताओं को रिफंड जारी, 1.14 लाख करोड़ भेजे गए

मुंबई । अगस्त के महीने में आयकर विभाग ने करीब दो करोड़ आयकरदाताओं को एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के रिफंड जारी किए हैं। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स (सीबीडीटी) के मुताबिक पहली अप्रैल से लेकर 31 अप्रैल के बीच 1.97 करोड़ करदाताओं को 1.14 लाख करोड़ रुपए के रिफंड जारी किए गए हैं। विभाग के मुताबिक 1.96 करोड़ आयकर दाताओं को 61252 करोड़ रुपए का रिफंड जारी किया गया है। वहीं 1.46 लाख मामलों में 53158 करोड़ रुपए का कॉर्पोरेट टैक्स रिफंड जारी किया गया है। सीबीडीटी के मुताबिक सरकार टैक्स सिस्टम को लगातार आसान बना रही है जिससे सभी प्रक्रियाओं में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। विभाग को वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 31 जुलाई 2022 तक कुल मिलाकर 5.83 करोड़ आयकर रिटर्न मिले हैं। रिटर्न भरने के आखिरी दिन 72.42 लाख रिटर्न भरे गए, जो कि एक रिकॉर्ड है। 31 जुलाई ही आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख थी। शुरुआत में आईटीआर भरने की गति धीमी थी लेकिन समयसीमा पास आने के साथ इसकी रफ्तार बढ़ती गई और आखिरी दिन रिकॉर्ड 72.42 लाख रिटर्न दाखिल हुए। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि 72 लाख से अधिक आईटीआर अंतिम तारीख रविवार को एक दिन में भरे गए हैं। इस साल सरकार ने रिटर्न भरने की अंतिम तारीख में कोई बदलाव नहीं किया। अंतिम तारीख के बाद से रिफंड जारी करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई।

करूर वैश्य बैंक ने एफडी की ब्याज दर में की 1 फीसदी से भी अधिक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) द्वारा रेपो रेट बढ़ाए जाने के बाद प्राइवेट और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा फिक्स जमा राशि (एफडी) पर ब्याज दरों में बढ़ोत्तरी का सिलसिला जारी हैं। इसे आरपीओ द्वारा रेपो रेट बढ़ाए जाने के असर के रूप में देखा जा रहा है। इसी कड़ी में एक नया नाम अब करूर वैश्य बैंक का शामिल हो गया है। बैंक ने 2 करोड़ रुपये कम की जमा राशि वाली एफडी पर ब्याज दरों में इजाफा किया है। यह इजाफा 31 दिन से लेकर 6 साल की जमा अवधि वाली एफडी पर किया गया है। इससे कम की मैच्योरिटी वाले फिक्स्ड डिपॉजिट्स पर ग्राहकों को पुरानी दर पर ही ब्याज मिलता रहेगा। एफडी पर बैंक की नई ब्याज दरें 1 सितंबर से लागू हो रही हैं। बैंक 7 से 30 दिन की एफडी पर 4 फीसदी ब्याज देना जारी रखेगा। बैंक ने 31-45 दिन की एफडी पर ब्याज को बढ़ाकर 5.25 फीसदी कर दिया है। पहला यह 4 फीसदी था। 46-90 दिन की एफडी पर 4.25 फीसदी की जगह 5.25 फीसदी और 91 से 120 दिन की एफडी पर 4.5 फीसदी की जगह 5.25 फीसदी ब्याज मिलेगा। 121 दिन से 180 दिन की एफडी पर 4.5 फीसदी की जगह 5.5 फीसदी ब्याज मिलेगा। 181 से 270 दिन की एफडी पर 5.75 फीसदी, 271 दिन से लेकर 1 वर्ष से कम की एफडी पर 5.90 फीसदी, 1 से 2 साल की बीच की एफडी पर 6.10 फीसदी ब्याज मिलेगा। 2-3 साल के बीच की एफडी पर ग्राहकों को अब 5.85 फीसदी की जगह 6.10 फीसदी ब्याज मिलेगा। 3 साल से 6 साल या उससे अधिक की मेच्योरिटी वाली एफडी पर ब्याज 6 फीसदी से बढ़ाकर 6.10 फीसदी कर दिया है। बैंक अपनी टैक्स सेवर एफडी केवीबी-टैक्स शील्ड पर 5.90 फीसदी ब्याज देना जारी रखेगा। यह 5 वर्ष की मेच्योरिटी वाली एफडी स्कीम है। बैंक वरिष्ठ नागरिकों को 1 से साल के बीच की एफडी पर 6.50 फीसदी का ब्याज देगा। इस पर पहले 6.25 फीसदी ब्याज मिलता था। 2-3 साल के बीच की एफजी पर अब 6.35 फीसदी की 6.50 फीसदी ब्याज मिलेगा। 3-5 साल के बीच की एफडी पर बैंक वरिष्ठ नागरिकों को 6.60 फीसदी का ब्याज देगा। वहीं, 5 से लेकर 10 साल की एफजी पर अब 6.50 फीसदी की जगह 6.60 फीसदी ब्याज वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा।

वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल की कीमत गिरकर 93 डॉलर प्रति बैरल हुई

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में एक दो दिन में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। शे निवार को ब्रेंट क्रूड ऑयल 93 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास कारोबार कर रहा है। चार-पांच दिन पहले ही यह 100 डॉलर के ऊपर चल रहा था। ब्रेंट क्रूड में पिछले तीन दिनों के भीतर करीब 11 डॉलर की गिरावट आई है। 31 अगस्त की सुबह ब्रेंट क्रूड का भाव 104.43 डॉलर था, जो अब 93.39 डॉलर रह गया है। कच्चे तेल में गिरावट के बाद यह कयास लगाए जा रहे हैं कि घरेलू बाजार में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत कम हो सकती है। शनिवार को सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में आज भी पेट्रोल 96.72 रुपए लीटर मिल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.60 रुपए और डीजल 89.77 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.26 रुपए और डीजल 89.45 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.42 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर है।पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर है।

एसबीआई में बच्चे का भी खुलवा सकते हैं सेविंग खाता

नई दिल्ली ।

देश के प्रमुख बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में किसी भी उम्र के बच्चे का सेविंग खाता अभिभावक या गार्जियन खुलवा सकते हैं। एसबीआई नाबालिग बच्चों के लिए दो प्रकार के अकाउंट खोलने की सुविधा दे रहा है। एक अकाउंट को पहला कदम और दूसरे को पहली उड़ान नाम दिया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पहला कदम और पहली उड़ान नाम से सेविंग अकाउंट आप घर बैठे ऑनलाइन खोल सकते हैं। इन दोनों ही बैंक अकाउंट्स की खास बात यह है कि इनमें नेट बैंकिंग सहित लगभग भी बैंकिंग सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। निकासी की सीमा होने की वजह से फिजूलखर्ची का डर भी नहीं है। इन खातों में न्यूनतम बैलेंस रखने की बाध्यता भी नहीं होती। यह खाता किसी भी उम्र के बच्चे का खोला जा सकता है. नाबालिग बच्चों के साथ माता पिता या गार्जियन ज्वॉइंट अकाउंट खोल सकते हैं। अकेले बच्चे के नाम से यह खाता नहीं खोला जा सकता। इसे अभिभावक या बच्चा खुद सिंगल रूप से ऑपरेट कर सकता है। खाताधारक को एटीएम डेबिट कार्ड सुविधा मिलती है। कार्ड से 5,000 रुपए तक की निकासी की जा सकती है। मोबाइल बैंकिंग की सुविधा भी इसमें मिलती है। मोबाइल बैंकिंग का प्रयोग कर बिल पेमेंट भी किया जा सकता है लेकिन इस पर ट्रांजैके शन लिमिट है और रोजाना बस मोबाइल बैंकिंग से 2,000 रुपए तक ही खर्च किए जा सकते हैं। इंटरनेट बैंकिंग सुविधा में रोजाना 5,000 रुपए तक ट्रांजैकशन करने की सीमा है। अभिभावक के अधीन नाबालिग के नाम पर अभिभावक को विशेष रूप से डिज़ाइन की गई 10 पेज की चेकबुक भी जारी की जाती है। ये खाता उन बच्चे चों का खुलवाया जा सकता है जिनकी उम्र 10 साल से ज्यादा है और वे अच्छी तरह से हस्ताक्षर कर सकते हैं। यदि नाबालिग सही हस्ताक्षर कर सकता है तो उसे विशेष रूप से डिज़ाइन की गई चेकबुक दी जाती है।

भारत का विदेशी कर्ज मार्च 2022 तक बढ़कर 620.7 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली ।

भारत का विदेशी कर्ज मार्च, 2022 के ओ खिर में एक साल पहले की तुलना में 8.2 प्रतिशत बढ़कर 620.7 अरब डॉलर हो गया। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, देश के इस बाहरी कर्ज का 53.2 प्रतिशत हिस्सा अमेरिकी डॉलर के रूप में है जबकि भारतीय रुपये के रूप में देय कर्ज 31.2 प्रतिशत है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि भारत का बाहरी कर्ज लगातार बेहतर तरीके से प्रबंधित बना हुआ है। मार्च, 2022 के अंत में इसका आकार 620.7 अरब डॉलर था जो एक साल पहले की तुलना में 8.2 प्रतिशत अधिक है।

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुपात के रूप में विदेशी ऋण 19.9 प्रतिशत था। विदेशी मुद्रा भंडार और बाह्य ऋण का अनुपात 97.8 प्रतिशत था। हालांकि, बाह्य ऋण के अनुपात के तौर पर विदेशी मुद्रा भंडार का 97.8 प्रतिशत पर होना एक साल पहले के 100.6 प्रतिशत की तुलना में गिरावट को दर्शाता है। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट कहती है कि देश का लंबी अवधि का कर्ज 499.1 अरब डॉलर का है जो कुल बाह्य ऋण का 80.4 प्रतिशत है। वहीं 121.7 अरब डॉलर के साथ अल्पावधि ऋण की हिस्सेदारी 19.6 प्रतिशत है। एक साल पहले की तुलना में सॉवरेन ऋण 17.1 प्रतिशत बढ़कर 130.7 अरब डॉलर हो गया जबकि गैर-सॉवरेन ऋण 6.1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 490.0 अरब डॉलर रहा।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रवासी भारतीयों की जमा राशि दो प्रतिशत घटकर 139.0 अरब डॉलर रह गई जबकि वाणिज्यिक उधारी 5.7 प्रतिशत बढ़कर 209.71 अरब डॉलर और अल्पावधि का व्यापार ऋण 20.5 प्रतिशत बढ़कर 117.4 अरब डॉलर रहा।

साल के अंत में शुरु होगी बीबीएल लीग

कैनबरा । ऑस्ट्रेलियाई घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) का 12 वां सत्र इस साल 13 दिसंबर से शुरु हो रहा है। बीबीएल के 12वें सीजन में कुल 56 मुकाबले खेले जाएंगे। सत्र के पहले मुकाबले में सिडनी थंडर की टीम मेलबर्न स्टार्स से खेलेगी। इन दोनों के बीच यह मुकाबला मानुका ओवल में खेला जाएगा। बीबीएल के 10वें सीजन में सिडनी सिक्सर्स ने पर्थ स्कार्चर्स को हराकर खिताब जीता था। वहीं 11वें सीजन में पर्थ स्कार्चर्स ने सिक्सर्स की टीम को पराजित कर खिताब पर कब्जा किया था। बीते साल की तरह इस सत्र में भी कुल आठ टीमें भाग ले रही हैं। इन टीमों में एडिलेड स्ट्राइकर्स, मेलबर्न स्टार्स, सिडनी थंडर, ब्रिस्बेन हीट, होबार्ट हरिकेंस, मेलबर्न रेनेगेड्स, पर्थ स्कार्चर्स और सिडनी सिक्सर्स का नाम शामिल है। लीग के ग्रुप स्तर के मुकाबले 13 दिसंबर 2022 से 25 जनवरी 2023 के बीच खेले जाएंगे। वहीं इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का एलिमिनेटर मुकाबला 27 जनवरी खेला जाएगा। इसके अलावा क्वालीफायर और नॉकआउट मुकाबले 28 और 29 जनवरी को आयोजित किए जाएंगे। चैलेंजर मैच दो फरवरी एवं फाइनल मुकाबला चार फरवरी को खेला जाएगा। इस टी20 लीग में पहली बार खिलाड़ियों के लिए ड्राफ्ट का सिस्टम बनाया गया है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम को जिम्बाबे ने 141 रन पर समेटा, रयान बर्ल ने झटके पांच विकेट

नई दिल्ली ।

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले जिम्बाब्वे की टीम पिछली बार वर्ल्ड चैंपियन टीम ऑस्ट्रेलिया को तगड़ा झटका दिया है। जिम्बाब्वे ने आखिरी वनडे में सितारों से सजी ऑस्ट्रेलियन टीम को 31 ओवर में 141 रन पर समेट दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से सिर्फ डेविड वॉर्नर और ग्लेन मैक्सवेल भी दहाई का आंकड़ा पार कर सके। टीम के ओपनर वॉर्नर ने 96 गेंदों में 14 चौके और दो छक्के की मदद से 94 रनों की पारी खेली। वहीं, मैक्सवेल ने 22 गेंदों में तीन चौके की मदद 19 रन बनाएं। जिम्बाब्वे की ओर ऑलराउंडर रयान बर्ल ने करिश्माई गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 18 गेंदों में ऑस्ट्रेलिया के आखिरी 5 विकेट झटके। ऑस्ट्रेलिया की टी20 वर्ल्ड कप टीम में शामिल वॉर्नर, आरोन फिंच, स्टीव स्मिथ, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस और एश्टन एगर जैसे बल्लेबाज जिम्बाब्वे के खिलाफ खेल रहे थे। वॉर्नर और मैक्सवेल के अलावा बाकी बल्लेबाज फेल रहे। कप्तान फिंच ने 5, स्टीव स्मिथ ने 1, स्टोइनिस ने 3 और एगर बिना खाता खोले ही आउट हो गए। एक समय ऑस्ट्रेलियाई टीम 26.3 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 126 रन पर अच्छी स्थिति में दिख रही थी। वॉर्नर और मैक्सवेल के बीच 52 गेंदों में 57 रनों की साझेदारी हो चुकी थी। जिम्बाब्वे के कप्तान रेजिस चकबवा ने रयान बर्ल पर भरोसा जताया। बर्ल ने पहले तीन ओवर में 10 रन देकर पांच विकेट झटके। ऑस्ट्रेलिया के आखिरी 5 विकेट सिर्फ 32 गेंदों के अंदर गिर गए। बर्ल ने मैक्सवेल, एगर (0), वॉर्नर, मिचले स्टार्क (2) और जोश हेजलवुड (0) को आउट किया। रयान बर्ल जिम्बाब्वे के पहले गेंदबाज हैं, जिन्होंने वनडे क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 विकेट झटका हो। बर्ल के अलावा ब्रैडली इवांस ने दो जबकि सीन विलियम्स, रिचर्ड नगारा और विक्टर न्याउची ने एक-एक विकेट चटकाया। जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे क्रिकेट में यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे कम स्कोर है। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान फिंच बिलकुल फॉर्म में नहीं हैं। श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में के आखिरी दो मुकाबलों में वह खाता नहीं खोल पाए थे। इसके बाद जिम्बाबवे के खिलाफ तीन वनडे के मैचों की सीरीज में वह सिर्फ 21 रन ही बना सके हैं। इस बार टी20 वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया में ही होना है। इसके बाद फिंच का खराब फॉर्म डिफेंडिंग चैंपियन का खेल बिगाड़ सकता है।

सेरेना को शानदार करियर के लिए मिशेल ओबामा समेत कई लोगों ने दी बधाई

न्यूयॉर्क ।

अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर में हारने के बाद संभवतः टेनिस को अलविदा कहने जा रही सेरेना विलियम्स को माइकल फेल्प्स से लेकर टाइगर वुड्स तक दुनिया भर के दिग्गज खिलाड़ियों ने शानदार करियर पर बधाई दी है। दुनिया के नंबर एक गोल्फर रहे टाइगर वुड्स ने ट्वीट किया कोर्ट के भीतर और बाहर तुम महानतम हो। अपने सपने पूरे करने की हम सभी को प्रेरणा देने के लिए धन्यवाद छोटी बहन। वहीं अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की पत्नी मिशेल ने लिखा शानदार करियर पर बधाई । हम कितने खुशकिस्मत हैं कि कॉम्पटन की एक छोटी सी लड़की को महानतम खिलाड़ी बनते देखा। हमें तुम पर गर्व है। सेरेना को हराने वाली अजला टॉमलजानोविच ने कहा उन्होंने साबित किया कि कोई सपना छोटा नहीं होता। आप कहीं से भी आए हों या कोई भी हालात रहे हों। अगर खुद पर भरोसा है तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है। बास्केटबॉल के हॉल आफ फेम मैजिक जॉनसन ने ट्वीट किया हमने सर्वकालिक महानतम खिलाड़ी सेरेना विलियम्स को अमेरिकी ओपन में आखिरी बार देखा। टेनिस के लिए हर लड़की के लिए और खास तौर पर अश्वेत लड़कियों के लिये सेरेना बहुत बड़ी प्रेरणा है। ओलंपिक चैम्पियन तैराक माइकल फेल्प्स ने लिखा सेरेना ने न सिर्फ टेनिस का परिदृश्य बदला बल्कि अगली पीढी के सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभाई। वह कभी हार नहीं मानती है। कोर्ट के भीतर और बाहर। सेरेना ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा मुझे लगता है कि मैने टेनिस को कुछ दिया है । शायद वह जुनून। कई उतार चढाव देखे लेकिन हार नहीं मानी। मैं आगे भी खेल सकती थी लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने इस पल को जिया और इस बात के लिए भी शुक्रगुजार हूं कि मैं सेरेना हूं।

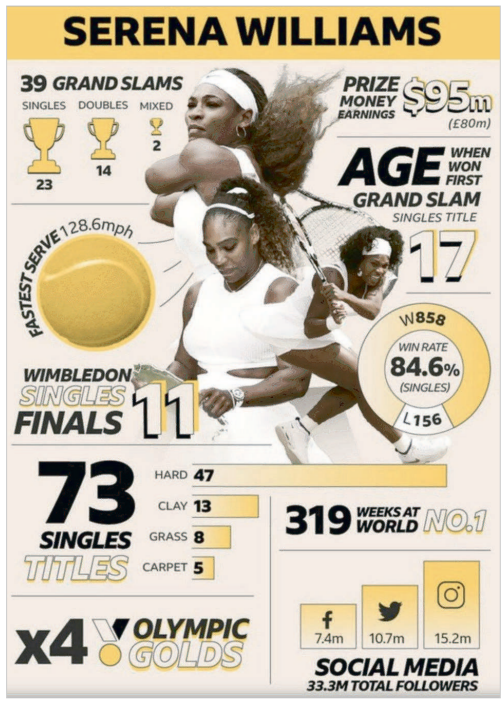

टेनिस की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने

नम आंखों से टेनिस को कहा अलविदा

न्यूयॉर्क ।

पिछले दो दशक से अधिक समय तक टेनिस कोर्ट पर कई कीर्तिमान स्थापित करने वाली सेरेना विलियम्स का यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में सफर तीसरे दौर में थम गया। इसके साथ ही उन्होंने नम आंखों से टेनिस को अलविदा कह दिया है, एक अन्य दिग्गज एंड्री मरे भी हारकर बाहर हो गए हैं। सेरेना विलियम्स ने पहले ही संकेत दिया था कि यूएस ओपन उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। इस तरह से 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने टेनिस को अलविदा कह दिया। यह दिग्गज खिलाड़ी तीन घंटे से भी अधिक समय तक चले मैच में अजला टॉमलजानोविच से 7-5, 6-7 (4), 6-1 से हार गई। सेरेना ने 5 मैच प्वाइंट बचाए लेकिन आखिर में जब उनका शॉट नेट पर लगा तो उनकी आंखें भी छलक उठी। उन्होंने मैच के बाद उन्होंने कहा मैं उस हर व्यक्ति की आभारी हूं जिसने सेरेना आगे बढ़ो, कह कर मेरा हौसला बढ़ाया। सेरेना यूएस ओपन में पहली बार 1999 में खेली थी। तब वह केवल 17 साल की थी लेकिन अब वह शादीशुदा है और उनकी पांच साल की बिटिया भी है। सेरेना इस महीने 41 साल की हो जाएगी। सेरेना विलियम्स ने 2002 में फ्रेंच ओपन में अपना पहला सिंगल्स खिताब जीता। इसके बाद अगले 15 सालों ने इस महान खिलाड़ी ने 23 ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम किया। सेरेना ने विंबलडन और ऑस्ट्रेलियाई ओपन 7-7 बार जीता है। वहीं, अमेरिकी ओपन में वह 6 बार चैंपियन बनी हैं। इसके अलावा सेरेना तीन बार फ्रेंच ओपन चैंपियन भी बनी हैं। इसके अलावा उनके नाम वुमेंस डबल्स मुकाबलों में 12 ग्रैंड स्लैम खिताब हैं। वह दो बार मिक्स्ड डबल्स में भी चैंपियन बन चुकी हैं। इस बीच मेन्स सिंगल्स में तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन मरे को साढ़े तीन घंटे तक चले मैच में माटेओ बेरेटिनी ने 6-4, 6-4, 6-7 (1), 6-3 से हरा दिया। मरे ने कहा मैंने धातु का कूल्हा लगवाया है। उसके साथ खेलना आसान नहीं है। यह बहुत मुश्किल है। मैं हैरान हूं कि तब भी मैं एक ऐसे खिलाड़ी को चुनौती पेश कर रहा हूं जो खेल में अपने शीर्ष पर है। जून में फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचने वाली 18 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ ने मैडिसन कीज को 6-2, 6-3 से हराकर पहली बार यूएस ओपन के चौथे दौर में जगह बनाई। गॉफ का सामना अब झांग शुआई से होगा, जिन्होंने रेबेका मैरिनो को 6-2, 6-4 से हराया।

एक अन्य मैच में विंबलडन की फाइनलिस्ट ओन्स जबूर ने 31वीं वरीयता प्राप्त शेल्बी रोजर्स को 4-6, 6-4, 6-3 से पराजित किया। उन्हें अब वेरोनिका कुडरमेतोवा का सामना करना है जिन्होंने डालमा गल्फी को केवल 47 मिनट में 6-2, 6-0 से हराया।

प्रो लीग से पहले अपनी समस्याओं पर मेहनत करेंगे : भारतीय डिफेंडर सुरेंदर

बेंगलुरू ।

आस्ट्रेलिया के हाथों राष्ट्रमंडल खेल फाइनल में हारने के बाद हाथ आये मौके गंवाने पर अफसोस जताते हुए भारतीय हॉकी टीम के डिफेंडर सुरेंदर कुमार ने कहा कि टीम आगामी एफआईएच प्रो लीग से पहले अपनी समस्याओं पर काम करेगी। भारत को बर्मिंघम खेलों के फाइनल में आस्ट्रेलिया ने 7-0 से हराया था। अब भारतीय टीम अगले महीने भुवनेश्वर में होने वाली प्रो लीग की तैयारी कर रही है। सुरेंदर ने कहा- हमने बर्मिंघम खेलों में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन फाइनल में हाथ आये मौके नहीं गंवाते तो वापसी कर सकते थे। उन्होंने कहा- हमने आस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में गलतियां की और रणनीति पर अमल नहीं कर सके। अब इस शिविर में हम उन गलतियों को सुधारने पर फोकस करेंगे ताकि वही गलतियां बार-बार नहीं दोहराएं। भारत का सामना 28 अक्टूबर से 6 नवंबर के बीच होने वाली प्रो लीग में न्यूजीलैंड और स्पेन से होगा। उन्होंने कहा-एफआईएच प्रो लीग 2022-23 से पहले टीम को इन समस्याओं पर काम करना होगा। हमें न्यूजीलैंड और

स्पेन के खिलाफ मैचों पर फोकस करना होगा। अपनी गलतियों से सबक लेकर उन पर मेहनत करनी होगी। हम अपने मैचों के वीडियो देखेंगे और कोचों के साथ मिलकर इस पर काम करेंगे।

दुबई ओपन शतरंज : अर्जुन की रिनात पर आसधारण जीत , खिताब की ओर बढ़ाए कदम

दुबई ,यूएई (निकलेश जैन) 22वे दुबई ओपन इंटरनेशनल ग्रांड मास्टर शतरंज टूर्नामेंट का छठा दिन भारत के अर्जुन एरिगासी के नाम रहा ,अर्जुन नें पहले बोर्ड पर सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए सबसे आगे एकल बढ़त पर चल रहे कजाकिस्तान के रिनात जुमबाएव को एकतरफा मुक़ाबले मे धराशायी कर दिया । निमजो इंडियन ओपनिंग में अर्जुन का खेल पर नियंत्रण कुछ यूं रहा है की उन्होने अपने दोनों हाथी कुर्बान करते हुए रिनात के राजा की मात सुनिश्चित की । इस खेल को दुनिया भर के विश्लेषको नें दशक के बेहतरीन मुकाबलों में से एक माना है । इस जीत के बाद अर्जुन अब रूस के अलेक्ज़ेंडर प्रेडके के साथ 5.5 अंक बनाकर सयुंक्त बढ़त पर चल रहे है और अगले राउंड में दोनों के बीच होने वाला मुकाबला खिताब के निर्णायक हो सकता है । वहीं पिछले राउंड में हार का सामना करने वाले प्रज्ञानंधा नें छठे राउंड में हमवतन शारदुल गागरे को पराजित करते हुए वापसी की जबकि लगातार तीन ग्रांड मास्टरों को मात देने वाले आयुष शर्मा को रूस के टॉप सीड अलेक्ज़ेंडर प्रेडके से हार का सामना करना पड़ा । प्रज्ञानंधा के साथ ,रिनात ,यूएसए के व्लादिमीर अकोपियन ,भारत के सहज ग्रोवर,अरविंद चितांबरम 5 अंक बनाकर खेल रहे है ।

पाक की हॉग-कॉग पर जीत को शादाब खान ने पाक बाढ़ पीड़ितों को समर्पित किया

-दुनिया से की बाढ़ राहत कोष में दान करने की अपील

नई दिल्ली ।

खेल के साथ परोपकार ही एक खिलाड़ी धर्म होता होता है ऐसे में बाढ़ आपदा से जूझ रहे पाकिस्तान के उपकप्तान शादाब खान अद्भुत मिसाल पेश की है। एशिया कप-2022 का छठवां मुकाबला बीते शुक्रवार को पाकिस्तान और हॉग-कॉग के बीच शारजाह में खेला गया। इस मुकाबले में पाक टीम को 155 रनों से जीत मिली। मैच के दौरान पाक उपकप्तान शादाब खान जबर्दस्त लय में नजर आए। उन्होंने टीम के लिए 2.4 ओवर की गेंदबाजी करते हुए महज आठ रन खर्च कर सर्वाधिक चार सफलता प्राप्त की। हॉगकॉग के खिलाफ मिली इस ऐतिहासिक सफलता को पाक स्टार ने बाढ़ प्रभावितों को समर्पित किया है। दरअसल पड़ोसी देश पाकिस्तान में इन दिनों बाढ़ से हाहाकार मचा हुआ है। खबरों की माने तो इस प्राकृतिक आपदा से अबतक 12 सौ से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इसके अलावा लाखों लोग बेघर हो गए हैं और वह दाने-दाने के लिए मोहताज हैं। हॉगकॉग के खिलाफ मिली शानदार जीत के बाद शादाब खान ने ट्वीट करते हुए लिखा है, 'यह जीत पाकिस्तान में बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों को समर्पित है। हम अपने लोगों के लिए खेल रहे हैं। आप सब हमारे दिलों में हैं। हर कोई जो मदद कर सकता है, कृपया बाढ़ राहत कोष में दान करें। अपने लोगों की मदद करें। पाकिस्तान जिंदाबाद।' शादाब खान के इस ट्वीट की पाकिस्तान क्रिकेट ने भी सराहना की है। बोर्ड ने लिखा है, 'शादाब खान ने पाकिस्तान के बाढ़ प्रभावितों को जीत समर्पित किया है।' इसके अलावा बोर्ड ने बताया है कि उन्होंने लोगों से जितना हो सके दान करने का भी आग्रह किया है।' बता दें एशिया कप में पाकिस्तान की अगली भिड़ंत अब सुपर फोर मुकाबले में चार सितंबर को भारत के साथ है। दोनों टीमों के बीच यह हाईवोल्टेज मुकाबला दुबई स्थित दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

हाई एल्टीट्यूड मास्क पहने पाकिस्तान खिलाफ मैंच की तैयारी में जुटे कोहली

नई दिल्ली । ब्रेक के बाद मैदान में उतरे विराट कोहली का एक नया ही अंदाज देखने को मिला है। एशिया कप 2022 के अपने पहले मुकाबले में जहां उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ नाजुक परिस्थितियों में 35 रनों की जुझारू पारी खेली। वहीं हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ उन्होंने अपना पुराना अंदाज दिखाते हुए नाबाद 59 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक चौका एवं तीन बेहतरीन छक्के निकले। टीम का अगला मुकाबला अब एक बार फिर पाकिस्तान के साथ है। दोनों टीमों की भिड़ंत चार सितंबर को होने वाली है। आगामी मुकाबलों को लेकर दोनों टीमों ने कड़ी मेहनत करनी शुरू कर दी है। पाकिस्तान के साथ भिड़ंत को लेकर कोहली भी जमकर मेहनत कर रहे हैं। हालांकि पूर्व भारतीय कप्तान को आगामी भिड़ंत के लिए खास तरीके से तैयारी करते हुए देखा गया है। भारत-पाक भिड़ंत से पहले कोहली के एक प्रैक्टिस सेशन का वीडियो सामने आया है। वीडियो में वह 'हाई एल्टीट्यूड मास्क' के साथ भागते हुए नजर आ रहे हैं। यह मास्क फेफड़ों की क्षमता का विस्तार और सुधार करने में मदद करता है। यही नहीं इससे स्टेमिना में भी बढ़ोत्तरी होती है। बता दें इस तरह के मास्क को सामान्य तौर पर पर्वतारोही इस्तमाल करते हैं। विराट ने यह मास्क तब पहना था जब वह मैदान का चक्कर लगा रहे थे। हालांकि दौड़ पूरी करने के बाद उन्होंने यह मास्क हटा दिया। इस बीच मैदान में कोहली को टीम के फिजिकल ट्रेनर सोहम देसाई को गाइड करते हुए देखा गया।

BCCI ने पिछले साल ई-नीलामी में खरीदा था नीरज चोपड़ा का भाला

नई दिल्ली : पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्मृति चिन्हों के संग्रह की जब ई नीलामी हुई थी तब ओलिम्पिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा का भाला बीसीसीआई ने डेढ़ करोड़ रुपए में खरीदा था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। चोपड़ा ने टोक्यो ओलिम्पिक से लौटने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निवास पर उनसे मुलाकात में उन्हें अपना भाला उपहार में दिया था। इस भाले समेत कई चीजों की ई नीलामी की गई जिनसे मिली रकम 'नमामि गंगे कार्यक्रम' को गई। यह नीलामी सितंबर-अक्टूबर 2021 में हुई थी। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा- बीसीसीआई ने नीरज के भाले पर बोली लगाई थी। इसके अलावा भी कुछ और वस्तुओं पर बोली लगाई। नमामि गंगे एक नेक काम है और बोर्ड के पदाधिकारियों को लगा कि देश के प्रमुख खेल संगठनों में से एक होने के नाते यह देश के प्रति हमारा कर्तव्य है। बीसीसीआई ने कोरोना महामारी के दौरान भी 'पीएम केयर्स फंड' में 51 करोड़ रुपए दिए थे। बोर्ड ने चोपड़ा के भाले के अलावा भारतीय पैरालम्पिक दल के हस्ताक्षर वाला अंगवस्त्र भी एक करोड़ रुपए में खरीदा था। चोपड़ा का भाला ई-नीलामी में सबसे महंगा बिका जबकि भवानी देवी की तलवार सवा करोड़ रुपए में और पैरालम्पिक चैम्पियन सुमित अंतिल का भाला एक करोड़ 20 हजार रुपए में बिका। लवलीना बोरगोहेन के मुक्केबाजी दस्ताने 91 लाख रुपए में बिके।

आज पाकिस्तान के खिलाफ राहुल, रोहित और कोहली को दिखाना होगा दम

डेथ ओवरों की गेंदबाजी कोच राहुल के लिए चिंता का सबक

मुंबई ।

भारत को यदि पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के सुपर चार में पिछले मैच की तरह जीत दर्ज करनी हैं, तब उसके शीर्ष क्रम को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। साथ ही तेज गेंदबाजों को अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभानी होगी। भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का पावरप्ले में प्रदर्शन अगर समस्या है, तब अनुभवहीन आवेश खान की डेथ ओवरों की गेंदबाजी भी टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय है। इसके बाद भारत को गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव करने की जरूरत नजर आती है, क्योंकि उसका सामना पाकिस्तान से है। पाक ने पिछले मैच में हॉन्गकॉन्ग को 150 से अधिक रन से हराया। भारत को रवींद्र जडेजा की कमी भी खलेगी, जो चोटिल होने से टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह अक्षर पटेल को टीम में लिया गया है। पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने दाहिने और बाएं हाथ के बल्लेबाज का संयोजन बनाने के लिए जडेजा को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा था। इस मैच में ऋषभ पंत को बाहर रखा गया था। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या कप्तान रोहित शर्मा और कोच द्रविड़ रविवार को भी ऐसा दांव खेलते हैं। लेकिन यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अगर शीर्ष छह बल्लेबाजों में बाएं हाथ के किसी बल्लेबाज को शामिल करना है, तब केवल पंत ही उसके लिए उपयुक्त नजर आते हैं। पिछले रविवार को हार्दिक पंड्या थे, जिनके ऑलराउंड प्रदर्शन से भारत ने आखिरी ओवर में रोमांचक जीत दर्ज की थी। रोहित इस मैच में भी अपने अन्य खिलाड़ियों से उसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। भारतीय टीम के लिए हालांकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का पावरप्ले में रक्षात्मक रवैया परेशानी का सबब बन सकता है। पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में विराट कोहली या रोहित शर्मा कोई भी सहज होकर नहीं खेल पा रहे थे। पिच धीमी होने पर उनकी समस्या बढ़ती गई। हॉन्गकॉन्ग जैसी कमजोर टीम के खिलाफ भी भारतीय शीर्ष क्रम में धीमी बल्लेबाजी की। वह सूर्यकुमार यादव की बेहतरीन पारी थी जिससे कि टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। भारतीय शीर्ष क्रम के धीमे खेल का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है, केएल राहुल ने 39 गेंदों पर 36 रन बनाए जो उनकी अब तक की सबसे धीमी पारी है। इसके बाद सवाल उठता है क्या भारत को अपने शीर्ष क्रम में आक्रामकता जोड़ने के लिए बदलाव करने की जरूरत होगी।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान का बयान, भारतीय किक्रेट टीम को कमाऊ पूत बताया

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद हफीज ने हाल ही में कप्तान रोहित शर्मा को लेकर अटपटा बयान दिया था। पूर्व पाक कप्तान की इस बयान पर अभी किरकिरी हो ही रही थी कि उन्होंने एक और हलचल बढ़ा देने वाला बयान दिया है। उन्होंने बातचीत का एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा है, 'लाडला। शेयर किए वीडियो में उन्होंने भारतीय क्रिकेट के बारे में बातचीत की है। उन्होंने कहा है, आईसीसी और एसीसी दोनों ही भारत को इसलिए ज्यादा पसंद करते हैं, क्योंकि वह उनका कमाऊ बच्चा है। वहीं जब उनसे भारतीय टीम के लिए आईसीसी और एसीसी के सॉफ्ट कॉर्नर के बारे में सवाल किया गया, तब उन्होंने कहा, हमारे मौसरे के अंदर जो कमाऊ पूत होता है, वह सबसे प्यारा होता है, सबसे लाडला होता है और उनकी चुम्मियां ज्यादा ली जाती हैं। हफीज ने कहा, भारतीय टीम जो है, वह एक रेवन्यू मेकिंग देश है, और पूरी दुनिया की जो बाइलेटर सीरीज भी होती हैं, जहां पर उनकी टीम जाती है स्पॉन्सरशिप मिलती है। उनके वारे न्यारे हैं। कार्यक्रम के एंकर ने जब उनसे पूछा कि, 'एक और जवाब दे दें। यह लाडले सिर्फ इस वजह से हैं कि ये अच्छे क्रिकेट खेलते हैं या फिर लाडले इस वजह से हैं कि अच्छा पैसा कमाते हैं? इसपर पूर्व पाक क्रिकेटर ने जवाब देकर कहा, 'दूसरी वाली बात। यानी पाक क्रिकेटर का मानना है कि भारतीय टीम को अच्छी आमदनी की वजह से इज्जत मिलती है। इससे पहले उन्होंने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को कन्फयूज्ड पर्सनैलिटी बताया था। उन्होंने कहा वह जो कह रहे हैं, वह ग्राउंड पर लागू नहीं हो पा रहा है।

नीति आयोग के मानदंडों के अनुसार वित्तीय प्रबंधन में गुजरात देश में शीर्ष पर : मुख्यमंत्री

खेडा ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार को खेडा ज़िले में महुधा, मेहमदाबाद तथा खेडा तहसीलों के अनुमानित 21.47 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनों का ई-शिलान्यास करते हुए कहा कि सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन विकास को वेग देता है। गुजरात में विकास में वित्तीय प्रबंधन की सुदृढ़ नींव है। नीति आयोग के मानदंडों के अनुसार वित्तीय प्रबंधन में गुजरात देश में शीर्ष पर है। पटेल ने महुधा में आयोजित ई-शिलान्यास समारोह में कहा कि विकास की राजनीति के विज़नरी लीडर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुजरात विकास का ग्रोथ इंजन बना है। सरकार प्रधानमंत्री द्वारा दी गई विकास की परिभाषा को 'आत्मनिर्भर गुजरात के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत' के मंत्र से चरितार्थ करने को प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात में छोटे-छोटे गाँव हों, शहर हों या क्षेत्र (एरियास) हों; सभी क्षेत्रों (फ़ील्ड्स) तक विकास पहुँचा है। गुजरात को विकास की सुदृढ़ नींव पर सर्वग्राही विकास क्षेत्र में अग्रसर बनाने की दिशा में कार्य हो रहा है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य में पिछले दो दशकों के विकास का आलेखन करते हुए कहा कि गुजरात में सड़क, बिजली, पानी, कृषि, शिक्षा सहित सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विकास हुआ है। दो दशक पूर्व गुजरात में धान फ़सलों का उत्पादन 2.48 लाख मैट्रिक टन होता था, जो आज 83.25 लाख मैट्रिक टन पर पहुँचा है। इसी प्रकार बाग़बानी फ़सलों का उत्पादन 62 लाख मैट्रिक टन से बढ़ कर आज 250 लाख मैट्रिक टन पर पहुँचा है। शिक्षा में भी दो दशक पहले ड्रॉपआउट रेट 37 प्रतिशत था, जो आज घट कर 2 से 3 प्रतिशत रह गया है। औद्योगिक उत्पादन 1.27 लाख करोड़ रुपए से बढ़ कर आज 16 लाख करोड़ रुपए पर पहुँचा है। गुजरात में विकास की यह परिभाषा रही है।

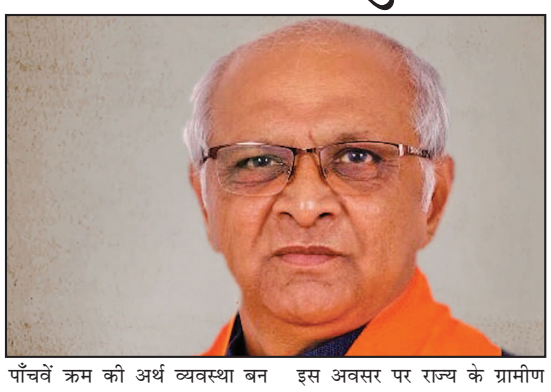

समारोह में उपस्थित केन्द्रीय संचार राज्य मंत्री देवूसिंह चौहाण ने कहा कि खेडा ज़िले में केवल दो ही दिनों में 221 करोड़ रुपए के विकास कार्यों के साथ 200 करोड़ रुपए के विकास कार्यों के प्रावधान की घोषणा की गई है। खेडा के आँगन में आज सुख व विकास के सूर्य का उदय हुआ है। चौहाण ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ़) की रिपोर्ट के अनुसार भारत 10 वर्ष पूर्व विकसित देशों की तुलना में 11वें क्रम पर था, जो आज प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में ब्रिटेन को पछाड़ कर समग्र विश्व में पाँचवें क्रम की अर्थ व्यवस्था बन गया है। भारत विश्व गुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। डिजिटल पेमेंट क्षेत्र में भी देश तीव्रता से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने दृढ़ संकल्प व्यक्त किया कि वर्ष 2027 में भारत वर्ष जब अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष मना रहा होगा, तब देश की समस्त जनसंख्या डिजिटल पेमेंट से जुड़ चुकी होगी।

इस अवसर पर राज्य के ग्रामीण विकास एवं ग्रामीण गृह निर्माण मंत्री अर्जुनसिंह चौहाण ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में सरकार 'सबका साथ-सबका विकास' के मंत्र को चरितार्थ करने के लिए कार्य कर रही है। श्री चौहाण ने अपने क्षेत्र में विकास परियोजनाओं के शिलान्यास के प्रति आभार व्यक्त किया।

विधानसभा में मुख्य सचेतक पंकज देसाई ने कहा कि 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के दौरान 'आत्मनिर्भर गुजरात' के संकल्प को सिद्ध करने के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों, आयु समूहों एवं सभी स्तर के लोगों के सुख-सुविधा की चिंता करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य के वंचितों, निर्धनों (ग़रीबों), विचरणशील-विमुक्त (घूमंतु) जातियों, महिलाओं तथा युवाओं के उत्कर्ष के लिए अनेकविद् योजनाएँ सुलभ बना कर सर्वसमाज के उन्नत विकास के ध्येय को चरितार्थ किया है।

इससे पहले मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने ई-तकती अनावरण द्वारा खेडा ज़िले की महुधा, मेहमदाबाद एवं खेडा तहसीलों के अनुमानित 21.47 करोड़ रुपए के 9 विकास कार्यों का ई-शिलान्यास किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) व (नगरीय), डॉ. बाबासाहब आंबेडकर आवास योजना, दूध घर निर्माण सहायता योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन-सामुदायिक निवेश कोष (एनआर एलएम-सीआईएफ़) और गुजरात नगरीय आजीविका मिशन (जीयूएलएम) सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति आदेश, प्रमाणपत्र, आवास कुंजी एवं सहायता चेक का वितरण किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं अन्य महानुभावों ने बावीस (बाईस) गाँव पाटीदार समाज वाडी (बाड़ी) परिसर में स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। विभिन्न महानुभावों, संस्थानों, समाजों एवं संगठनों ने मुख्यमंत्री का अनूठा सम्मान किया।

लव जिहाद के खिलाफ जबर्दस्त विरोध प्रदर्शन, लोगों ने 3 किमी लंबी आक्रोश रैली निकाली

बनासकांठा। जिले के डीसा में लव जिहाद के खिलाफ आज जबर्दस्त विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। लव जिहाद के विरोध में समूचा डीसा बंद रहा और लोगों ने 3 किलोमीटर लंबी रैली निकालकर अपना विरोध व्यक्त किया। बता दें कि बनासकांठा जिले की डीसा तहसील के मालगढ़ गांव में विधर्मी शख्स ने हिन्दू युवती को प्रेमजाल में फांसा और उसके बाद युवती समेत उसकी माता और भाई का धर्म परिवर्तन करवा दिया था। इतना ही नहीं युवती समेत उसकी मां और भाई को उसके पिता से अलग कर दिया। जिसके बाद विधर्मी शख्स ने युवती के पिता से परिवार वापस पाने के लिए रु. 25 लाख की फिरौती मांगी थी। डीसा की घटना को लेकर बनासकांठा जिल समेत राज्यभर के हिन्दुओं में जबर्दस्त आक्रोश है। घटना के विरोध में आज माली समाज समेत हिन्दू संगठनों ने आज बंद का आह्वान किया था। जिसका सभी समाज, विभिन्न व्यापारी एसोसिएशन, विभिन्न सामाजिक संगठन समेत स्वैच्छिक संगठनों ने समर्थन किया। आज सुबह 10 बजे डीसा के सरदार बाग विशाल आक्रोश रैली, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। तीन किलोमीटर लंबी रैली वापस सरदार बाग पर सभा में तब्दील हो गई। सभा में डीसा के विधायक, माली समाज के नेता समेत हिन्दू संगठनों के नेताओं ने अल्पसंख्यक समुदाय को लव जिहाद की प्रवृत्ति बंद करने और हिन्दू युवतियों को फंसाने से बाज आने की हिदायत दी। साथ ही ऐसी गतिविधियों के खिलाफ कड़ा आक्रोश जताया।

हम कांग्रेस नहीं हैं अपना व्यवहार बदल लेना, भाजपा को अरविंद केजरीवाल की चेतावनी

राजकोट।

गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर आए दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के चीफ अरविंद केजरीवाल ने आज भाजपा को चेतावनी दी है। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा हमे कांग्रेस समझने की गलती ना करे। कांग्रेस के साथ जो व्यवहार भाजपा करती थी, उसे अब बदल ले। क्योंकि हम सरदार और भगतसिंह की राह पर चलने वाले आम आदमी पार्टी हैं। बता दें कि बीते दिन देवभूमि द्वारका में अरविंद केजरीवाल को एक जनसभा को संबोधित करते हुए गुजरात में आम आदमी पार्टी सरकार बनने पर राज्य के किसानों का 2 लाख तक कर्ज माफ करने समेत 5 गारंटी दी थी। गुजरात दौरे के दूसरे दिन आज राजकोट में पत्रकार परिषद में रेवडी विवाद पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि गुजरात में भाजपा के मंत्री समेत सभी विधायकों को सभी सुविधाएं मिलें तब यह रेवडी नहीं है। लेकिन आम आदमी को अगर यह सुविधाएं दी जाएं तो रेवडी। कम से परिवहन की सुविधा तो जनता को मुफ्त मिलनी चाहिए। भाजपा पर प्रहार करते हुए केजरीवाल ने कहा कि उसने गुजरात पर 2। वर्ष शासन किया है और अब उसे यह सब याद आ रह है। इतने सालों तक शासन करने से भाजपा का अभिमान बढ़ गया है और अब तो राज्य सरकार जनता की भी नहीं सुनती। उन्होंने कहा कि अभी भाजपा सभी वादे करेगी परंतु चुनाव जीतने के बाद उसे पूरा नहीं करेगी। धर्म का शासन स्थापित करने के लिए सभी को अधर्म के खिलाफ लड़ना होगा। गुजरात के लोगों को 'आप' का साथ देना चाहिए, क्योंकि वही धर्म का काम कर रही है। केजरीवाल ने भाजपा के पन्ना प्रमखों को लेकर कहा कि आपने इतने वर्षों तक सेवा की, उसके बदले में मिला क्या? आपके बच्चों को बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा मिल रही है क्या? केजरीवाल ने कहा कि हमें वोट देकर 'आप' की सरकार बनाएं हम आपको 24 घंटे बिजली फ्री देंगे। बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा की सुविधाएं समेत नई स्कूल शुरू करेंगे। लोगों को मुफ्त चिकित्सा उपलब्ध हो ऐसी व्यवस्था करेंगे तथा महिलाओं को प्रति महीने रु. 1000 भी देंगे।

गुजरात आज प्रधानमंत्री मोदी द्वारा रखी गई विकास की मजबूत नींव पर खड़ा है : मुख्यमंत्री

गांधीनगर ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रखी गई विकास की मजबूत नींव पर खड़ा है। दो दशकों की लंबी विकास यात्रा ने गुजरात को देश का मॉडल स्टेट बनाया है। अब बिजली, पानी और सड़कों जैसी बुनियादी सुविधाओं से ऊपर उठकर गुजरात विकास की राह पर नए मील के पत्थर स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल शनिवार को गांधीनगर में आयोजित प्रजापति समाज के स्नेह मिलन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रजापति समाज के अग्रणियों ने मुख्यमंत्री का भावभीना अभिवादन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि जनता को झूठे प्रलोभन देकर सत्ता हासिल की जद्दोजहद में लगे लोग कभी भी राज्य का विकास नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सर्वांगीण विकास की जो परिपाटी विकसित हुई है, उसे हमेशा से जनता का समर्थन मिलता रहा है और आगे भी मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि गुजरात सरकार ने इस वर्ष राज्य के इतिहास का सबसे बड़ा बजट दिया है। गुजरात और भारत की अर्थव्यवस्था बहुत तेज गति से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था, जब गुजरात में उद्योग केवल वापी से तापी तक सीमित थे। लेकिन अब गुजरात का एक-एक जिला अपने विशिष्ट उत्पाद और 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' की पहल के साथ गुजरात के औद्योगिक विकास में योगदान दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात और देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सक्षम और स्थिर सरकार कार्यरत होने के कारण देश और दुनिया के पूंजीनिवेशक गुजरात में निवेश को तत्पर हैं।

इस अवसर पर सांसद दिनेशभाई अनावडिया ने प्रजापति समाज की उद्यमशीलता और राष्ट्रभावना की सराहना करते हुए कहा कि प्रजापति समाज हमेशा से भाजपा सरकार के साथ खड़ा रहकर गुजरात के विकास में अपना अनूठा योगदान देता रहा है। बनास डेयरी के चेयरमैन शंकर चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का दृष्टिकोण 'काल करे सो आज कर' है। उन्होंने कहा कि जनता के प्रत्येक कार्य और केस-फाइलों का त्वरित निपटारा उनकी कार्यशैली है। मुख्यमंत्री के गतिशील और कुशल प्रशासन के अच्छे परिणामों को गुजरात की जनता ने महसूस किया है। कार्यक्रम में पीपरड़ी धाम के संत मुखी महाराज, प्रजापति समाज के अग्रणी श्रीमती नौकाबेन और देवेंद्रभाई सहित कई अग्रणी उपस्थत रहे।

नेताओं के अशोभनीय टिप्पणी करने पर 'आप' नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज

अहमदाबाद। भाजपा नेताओं के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी करने पर आम आदमी पार्टी (आप) के गुजरात प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया के खिलाफ सूरत के उमरा पुलिस थाने में दर्ज की गई है। भाजपा कार्यकर्ता प्रताप जीरावाल ने इटालिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। जिसके आधार पर उमरा पुलिस ने गोपाल इटालिया के खिलाफ 469, 500 और 504 के तहत रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। इस संदर्भ में गोपाल इटालिया ने कहा कि उनके खिलाफ कहीं एफआईआर दर्ज की गई है। मेरा मानना है कि गुजरात के अदाणी पोर्ट से करोड़ों रुपए की ड्रग्स पकड़ी जाती है। गैरकानूनी शराब का धंधा भाजपा नेता कर रहे हैं। जहरीली शराब कांड में भाजपा के शामिल होने का खुलासा हुआ है। गुजरात में चारों ओर नशा का कारोबार हो रहा है। ऐसे में गृह मंत्री नशा का कारोबार करने वालों को पकड़ने के बजाए आम आदमी पार्टी के प्रमुख के खिलाफ एफआईआर दर्ज करते हैं। भगवान गणपति गृह राज्यमंत्री को सदबुद्धि दें। मेरे खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से ड्रग्स आना बंद नहीं होगा। जो नेता ड्रग्स और शराब बेचते हैं उन्हें पकड़ो, मैंने नशा नहीं बेचा। गोपाल इटालिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के मुद्दे पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अब तो सीबीआई और ईडी आएगी।डंडे बरसेंगे और ऐसी हिंसा कायर लोग करते हैं। हम ईमानदारी की लड़ाई लड़ रहे हैं।

सूरत भूमि। सूरत के घोडदोड रोड स्थित सोशल एक्टिविस्ट और फैशन दिवा श्रीमती मिता बहन सरजू भाई पटेल के घर गणेश भगवान की स्थापना की गई। जिसमें गणेश भगवान की महाआरती का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में भक्तों ने आरती का लाभ लिया।

सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ को जेल से रिहा किया गया

अहमदाबाद।

आम आदमी पार्टी गुजरात में सत्ता में आती है तो ग्राम प्रधानों को एक निश्चित वेतन देने के अलावा पंचायतों को सीधे धन मुहैया कराया जाएगा। शुक्रवार को दो दिवसीय प्रचार दौरे पर बीजेपी शासित राज्य पहुंचे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यह वादा किया है। केजरीवाल सुरेंद्रनगर सरपंचों (ग्राम प्रधानों) के एक सम्मेलन में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि कमीशन के आधार पर काम करने वाले ग्राम कंप्यूटर उद्यमियों को भी 20,000 रुपये का वेतन मिलेगा। केजरीवाल ने कहा, ''एक सरपंच अपने गाँव में चुनाव जीतता है और लोग उसे पसंद करते हैं तथा उसका सम्मान करते हैं। वह अपने गाँव का नेता होता है। चुनाव जीतने के बाद, सरपंच अपनी जेब से पैसा खर्च करता है क्योंकि उसके पास उस काम के लिए धन नहीं होता, जो लोग उससे कराना चाहते हैं।''

आप नेता ने कहा कि जब कोई सरपंच किसी विधायक या जिलाधिकारी से धन की मांग करता है, तो वे 'कमीशन' मांगते हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, 'हम इस कमीशन (सिस्टम) को खत्म कर देंगे। हम सरपंच का वेतन तय करेंगे। हर सरपंच को प्रति माह 10,000 रुपये मिलेंगे। मुझे पता है कि यह एक छोटी राशि है। लेकिन हम 10,000 रुपये से शुरू करेंगे और इसे धीरे-धीरे बढ़ाएंगे। हर सरपंच को अपने खर्चों को पूरा करने के लिए 10,000 रुपये मिलेंगे।''

उन्होंने कहा कि हर पंचायत को सरकार की ओर से सीधे 10 लाख रुपये मिलेंगे, ताकि किसी सरपंच को जलापूर्ति, सड़क या सफाई से जुड़े छोटे-मोटे कामों के लिए भीख न मांगनी पड़े। केजरीवाल ने कहा कि ये सभी वादे अगले साल 28 फरवरी से पहले पूरे किए जाएंगे।

जहांगीरपुरा में स्थित श्याम एंक्लेव में श्याम के राजा के रूप में गजानन की मूर्ति स्थापना की गई है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)